Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 203 | शनिवार, 01 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

‘ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाना हमारा काम’

पीएम मोदी ने की लोगों से गाली देने वाले युवाओं माफ करने की अपील

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार देर रात एक बार फिर सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसके जरिए उन्होंने देशवासियों खासकर युवाओं से बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वीडियो में पीएम मोदी ने समाज से युवाओं को गाली के लिए माफ करने की अपील की है।

उन्होंने वीडियो में जंतर-मंतर के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि वह गालियों के लिए बच्चों (जेन जी) को माफ करना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बचपन में ऐसी गलतियां हो जाती हैं और इन्हीं गलतियों से हमें सीखने और सुधरने का अवसर भी मिलता है।

माता जी को भी गालियां दी- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ‘हाय फ्रेंड्स, आज मन करता है कि आपसे ही बात करूं। जंतर मंतर पर जो कुछ भी हुआ उसे देश और दुनिया ने देखा है। कुछ शरारती बच्चों ने भद्दी-भद्दी गालियां दी। किसी भी सभ्य समाज को शोभा न दे ऐसी गालियां दी गईं। मुझे तो गालियां दी गईं मेरी स्वर्गीय माता जी को भी गालियां दी गईं। न जाने कितना भद्दा स्वरूप था।’

बचपन में गलतियां होती हैं- पीएम

पीएम ने आगे कहा, ‘मैं आज बात करना चाहता हूं कि बचपन में गलतियां होती हैं और इन्हीं गलतियों से सुधरने का मौका भी मिलता है। यही तो बचपन है। इसलिए मैं समाज के अंदर जो आक्रोश है, उसे भलीभांति समझ सकता हूं। एक कल्चरर शौक है कि बच्चियां ऐसी भाषा कैसे बोल सकती हैं, लेकिन समय है इन बच्चों को गले लगाकर राह दिखाने का, ये गुमराह बच्चे हैं, इन्हें राह दिखाना हमारा काम है। उनको सजा देना, अदालतों के चक्कर कटवाना, समाज में उनको प्रताड़ित करना, इससे हम परिस्थितियां नहीं बदल पाएंगे। मैं उन्हें माफ करना चाहता हूं।’

प्रधानमंत्री ने गुरुवार को कहा था कि संसद ने एक ऐसा बिल पास किया है जो हमारी परीक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाता है। गुरुवार को राज्यसभा में परीक्षा संशोधन बिल (सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026) पास हो गया है।

समाज से की माफ करने की अपील

प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील करते हुए कहा, ‘समाज भी मेरी इस बात को स्वीकार करे, क्योंकि मेरे मन में एक ही भाव है। कभी-कभी दातों तले हमारी जीभ आ जाती है, खून निकल आता है। लेकिन हम दांत नहीं तोड़ते क्योंकि दांत भी हमारे हैं और जीभ भी हमारी है। बच्चे भी हमारे हैं। उन्हें राह दिखाना हमारा काम है। गुमराह को राह दिखाना कठिन होता है लेकिन कठिन काम हमको करना है। इसलिए मैं इन बच्चों से कहता हूं कि आओ इस देश के लिए साथ मिलकर आगे बढ़ें।’

युवाओं से आगे बढ़ने को कहा

उन्होंने आगे कहा, ‘कुछ नया सीखें गलतियों से भी सीखें अपने सपनों को लेकर चल पढ़ें। देश बहुत आगे बढ़ रहा है। आगे बढ़ने वाला है और आपका भी आगे बढ़ना निश्चित हो यही मेरा सपना है। मैं आपके लिए जीता हूं और आपके उज्जवल भविष्य के लिए खपता हूं। आओ हम देश को मिलकर आगे बढ़ाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद दोस्तों। बस आओ और गलतियों से सीखो आगे बढ़ो।’

कल भी जारी किया था एक वीडियो

इससे पहले कल भी पीएम मोदी ने एक वीडियो संदेश जारी किया था,जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार पारदर्शी परीक्षा प्रणाली बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। आगे उन्होंने यह कहा कि इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं।

भिवंडी में चार मंजिला इमारत ढहने से 10 की मौत, एनडीआरएफ का बचाव अभियान जारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के भिवंडी में स्थानीय नगर निकाय द्वारा ‘खतरनाक’ घोषित चार मंजिला इमारत के ढहने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और तीन व्यक्ति घायल हो गए। आशंका है कि तीन लोग मलबे के नीचे फंसे हैं और उन्हें बचाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। मुंबई से करीब 50 किलोमीटर दूर पावरलूम नगरी भिवंडी में बालाजी नगर क्षेत्र स्थित कोहिनूर बिल्डिंग का एक हिस्सा बृहस्पतिवार रात 11 बजकर 20 मिनट पर ढह गया। सरकारीएजेंसियां नगर निकाय के अधिकारियों ने इस इमारत को ‘‘खतरनाक’’ घोषित किया था और परिसर में मरम्मत का काम चल रहा था। मौके पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), ठाणे आपदा मोचन बल और स्थानीय अग्निशमन विभाग की टीमों द्वारा संयुक्त रूप से व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है। बचाव कार्य में श्वान दस्ता, चार दमकल वाहन, दो एंबुलेंस और मलबा हटाने वाली भारी मशीनें तैनात की गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि इस इमारत में कुल 48 कमरे थे और हर मंजिल पर 12 कमरे थे। बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे, वहां रहने वालों ने इमारत में ‘‘तेज दरार पड़ने जैसी आवाजें’’ सुनीं। खतरे को भांपते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की, लेकिन जब कुछ निवासी बाहर निकल ही रहे थे, तभी इमारत की ‘बी’ विंग अचानक भरभराकर ढह गई। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका (बीएनसीएमसी) ने बताया कि उसने सितंबर 2020 में ही इस इमारत को ‘‘खतरनाक’’ घोषित कर दिया था और आखिरकार इस साल पांच जून को इसे खाली करने का नोटिस जारी किया, जिसके बाद बिजली और पानी की आपूर्ति काट दी गई। हालांकि, इसके बावजूद संपत्ति के मालिकों ने नगर निकाय से कोई अनुमति लिए बिना ही इमारत की मरम्मत का काम शुरू कर दिया। महानगरपालिका के आयुक्त ने ‘‘गैर-कानूनी’’ मरम्मत के काम में शामिल ठेकेदार के खिलाफ सख्त दंडात्मक और आपराधिक कार्रवाई का आदेश दिया।

महाराष्ट्र के आपदा प्रबंधन मंत्री गिरीश महाजन ने घटनास्थल का दौरा किया और मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

सच जान चुके युवाओं को डराया-धमकाया नहीं जा सकता : खरगे-राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर छात्र आंदोलन के बाद प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि देश का युवा सरकार का सच जान चुके इसलिए उन्हें अब डरा-धमकाकर चुप नहीं कराया जा सकता है। श्री खरगे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि 10 दिन पहले सरकार ने युवाओं पर लाठी-डंडों और पेलेट गन का इस्तेमाल किया और अब आंदोलन वापस लेने के बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जा रही है तथा उन्हें जबरन हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आंदोलन वापस लेने के दौरान किए गए वादे से मुकर गई है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट ब्लॉक कराए जा रहे हैं, उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक की जा रही है और सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है।

दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी की हत्या मामले में ताहिर हुसैन सहित पांच को उम्र कैद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन और चार अन्य को 2020 के दंगों के दौरान इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। कड़कड़डूमा अदालत के अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने ताहिर हुसैन और चार अन्य आरोपियों को इस अपराध में इसी महीने दोषी ठहराया था और आज उन्हें उम्रकैद की सजा सुना दी।

ताहिर हुसैन को हत्या, कैद करने के इरादे से अपहरण, घातक हथियारों से दंगा फैलाने, गैर-कानूनी तरीके से एकत्र होने और विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने सहित कई अन्य गंभीर धाराओं में दोषी पाया गया था। हालांकि, उन्हें आपराधिक साजिश रचने और विद्रोह के उकसावे के आरोपों से बरी कर दिया गया था। अदालत ने ताहिर हुसैन के अलावा जावेद, अनस, नाजिम और कासिम को भी इस अपराध के लिए दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई, जबकि मामले में मुकदमे का सामना कर रहे छह अन्य आरोपियों को बरी कर दिया। दिल्ली पुलिस ने पूर्व पार्षद के लिए मृत्युदंड की मांग करते हुए अदालत में तर्क दिया था कि पीड़ित के शरीर पर 51 घावों के निशान थे और यह 'क्रूरता से की गई हत्या' थी, जो 'दुर्लभ से दुर्लभतम' श्रेणी में आती है, इसलिए आरोपी को मौत की सजा मिलनी चाहिए।

इस मामले में मृतक के पिता रविंद्र कुमार की शिकायत पर दयालपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। अपनी शिकायत में श्री रविंद्र कुमार ने बताया था कि उनका बेटा 25 फरवरी, 2020 को काम से घर लौटा था, लेकिन किसी काम से दोबारा बाहर गया और वापस नहीं आया। बाद में चांद बाग पुलिया इलाके में एक मस्जिद के पास नाले से उसका शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में धारदार और भारी हथियारों से पहुंचाए गए 51 चोटों के निशान दर्ज किए गए थे। श्री कुमार की शिकायत के आधार पर ताहिर हुसैन और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद 24 मार्च, 2023 को निचली अदालत ने आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे।

मायावती का ऐलान: उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बसपा ने 25 प्रत्याशी तय किए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने लगभग 25 सीटों पर उम्मीदवार तय कर लिए हैं। चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती ने वर्ष 2007 में अपने दम पर बसपा की बहुमत की सरकार बनाई। 2012 से पार्टी का प्रदर्शन लगातार गिरा है और 2022 के चुनाव में बसपा सिर्फ एक सीट पर सिमट गई थी। उप्र विधानसभा की 403 सीटें हैं। अपने आधिकारिक ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में मायावती ने कहा कि चुनाव की तैयारी के लिए लखनऊ स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में राज्य स्तरीय कई बैठकें की जा चुकी हैं और आगे भी होंगी। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तरीय पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा, ‘‘साक्षात्कार लेकर अब तक लगभग दो दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार तय कर दिए गए हैं। आगे भी सभी सीटों पर उम्मीदवारों का अंतिम फैसला मेरे द्वारा ही किया जाएगा। मायावती ने कहा कि उम्मीदवार चयन को लेकर राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद (बसपा प्रमुख के भतीजे) के संबंध में तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं, जिसमें रत्ती भर भी सच्चाई नहीं है। पिछले दिनों मीडिया में यह खबरें आई थीं कि बसपा प्रमुख के भतीजे आकाश आनंद को उम्मीदवारों के चयन की ज़िम्मेदारी दी गई है। बसपा प्रमुख ने स्पष्ट किया कि ‘‘न सिर्फ उप्र में, बल्कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा चुनावों में उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप मैं ही देती हूं।’’

मायावती ने पोस्ट में कहा कि जिन सीटों पर उम्मीदवार तय हो चुके हैं, वहां उनकी अनुमति से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी छोटी-बड़ी जनसभाएं कर घोषणा कर रहे हैं। इसी क्रम में आकाश आनंद भी कुछ सीटों पर जनसभा कर उम्मीदवारों का ऐलान करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से आकाश आनंद को देश के विभिन्न राज्यों में संगठन की समीक्षा बैठकें और जनसभाओं के लिए भेजा जा रहा है। मायावती ने कहा कि नौ अक्टूबर 2025 को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर हुई महारैली में भी उन्हें बोलने का मौका दिया गया था। बसपा प्रमुख ने कहा कि यह सब पार्टी की नियमित प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि इसका आकाश आनंद के कद को बढ़ाने या कम करने और उम्मीदवार तय करने से कोई लेना-देना नहीं है। मायावती ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि ‘‘आकाश आनंद भी पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की तरह मेरे दिशा-निर्देशन में काम कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके बारे में अनाप-शनाप बातें करने वाले शरारती और जातिवादी तत्वों से पार्टी के लोग सावधान रहें।

दिल्ली पुलिस कर्मियों के परिजनों ने संसद मार्च हिंसा पर अपनी पीड़ा जताई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के आह्वान पर 20 जुलाई को संसद चलो मार्च के दौरान घायल हुए दिल्ली पुलिस के चार कर्मियों के परिजनों ने संसद से अपील की कि पुलिसकर्मियों को आईं चोटों और उनके परिवारों की पीड़ा पर भी ध्यान दिया जाए। उनका कहना है कि इस घटना में पुलिस पर लगाए गए अत्याचार के आरोपों की ही ज्यादा चर्चा हो रही है, जबकि हिंसा के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ क्या हुआ, उस पक्ष को नजरअंदाज कर दिया गया। ‘कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया’ में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) की पत्नी, एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की पत्नी तथा दो घायल पुलिस अधिकारियों के बच्चों ने उन पलों को याद किया, जब वे अस्पतालों से आने वाले फोन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, खून से सनी वर्दी देख रहे थे और बाद में सोशल मीडिया पर ऐसी चचाएं देखीं, जिसमें ड्यूटी के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों की पीड़ा और चोटों की अनदेखी की गई। भौगोलिकसंदर्भ

दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा कुंजल के पिता एक उपनिरीक्षक हैं और झड़पों में घायल हो गए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस में शामिल होने से पहले उनके पिता ने भारतीय नौसेना में मरीन कमांडो के तौर पर 15 साल तक सेवा दी थी। कुंजल ने कहा, ‘मेरे पिता मुख्य विरोध स्थल पर मौजूद थे। वह बैरिकेड के पास अग्रिम पंक्ति में थे, जहां भारी भीड़ थी। जब भी वह ड्यूटी के बाद घर लौटते थे, तो वह हमें बताते थे कि अब यह छात्रों का विरोध प्रदर्शन नहीं लग रहा है और इसमें कई असामाजिक तत्व शामिल हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 25 जुलाई को जंतर-मंतर पर मंच के पास भीड़ ने उनके पिता को खींच लिया, उनके साथ लगभग लिंचिंग (पीट पीट कर मार डालना) जैसी घटना हुई और वह करीब चार घंटे तक आरएमएल अस्पताल में बेहोश रहे। उन्होंने कहा कि रात करीब 10 बजे उनके सहकर्मी उन्हें घर लेकर आए। उनकी वर्दी पूरी तरह से खून से सनी हुई थी। कुंजल ने कहा, उन्हें उस हालत में देखना हमारे लिए बेहद दर्दनाक था। कुंजल ने कहा कि इसके बाद जो हुआ, वह उतना ही दुखद था। उन्होंने कहा, जब मैंने सोशल मीडिया खोला, तो मेरे पिता को पहले ही अपराधी घोषित कर दिया गया था। अगले दिन मुझे पता चला कि जिन लोगों ने उन पर हमला किया था, वे उच्चतम न्यायालय का रुख कर रहे हैं और पुलिस कर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर रहे हैं। मुझे लगा कि मुझे भी अपने पिता के लिए न्याय मांगना चाहिए। नागरिक के रूप में हमारे पास भी समान अधिकार हैं, और हमें उम्मीद है कि न्याय होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मियों के परिवारों ने शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी चिंताओं को रखने के लिए वकीलों से संपर्क किया है। वहीं, अपने पति के घायल होकर घर लौटने की घटना को याद करते हुए एसीपी की पत्नी उपनीत कौर ने कहा कि वह रात उनके और उनकी दो वर्षीय बेटी के लिए ‘‘आघात पहुंचाने’’ वाली थी। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने भीड़ से बार-बार शांति बनाए रखने की अपील की थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों की ओर से बोतलें, पत्थर, चप्पलें और अन्य वस्तुएं फेंकी गईं। उपनीत कौर ने कहा, ‘हर वर्दी के पीछे केवल एक पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि उसकी पत्नी, बच्चे, माता-पिता और पूरा परिवार होता है। हम चाहते हैं कि लोग इस बात को समझें।’ उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद पुलिसकर्मियों के परिवार एक-दूसरे के साथ जुड़े रहे और उन्होंने उन कठिन परिस्थितियों को साझा किया, जिनसे उन्हें गुजरना पड़ा। इस दौरान ‘स्लाइड शो’ भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें घायल पुलिसकर्मियों की तस्वीरें और आंकड़े दिखाए गए। परिवारों के अनुसार, इनसे हिंसा की गंभीरता का पता चलता है। प्रस्तुति में दावा किया गया कि हिंसा में 250 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए जबकि 110 से ज्यादा बैरिकेड, 300 बॉडी प्रोटेक्टर, 350 हेलमेट, 20 लाउडहेलर, 10 हैंड-हेल्ड मेटल डिटेक्टर और एक एक्स-रे बैगेज स्कैनर क्षतिग्रस्त हो गए। साथ ही, 25 से ज्यादा सरकारी गाड़ियों और निजी संपत्ति में तोड़-फोड़ की गई। एक एएसआई की पत्नी सीमा ने बताया कि 20 जुलाई को सुबह करीब 11 बजे उनके पति ने फोन पर बताया कि भीड़ बहुत ज्यादा है और प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने की तैयारी कर रहे हैं। उनके मुताबिक, कुछ घंटों बाद, उन्हें एक और फोन आया, जिसमें बताया गया कि उनके पति का इलाज लोक नायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल में किया जा रहा है। सीमा ने कहा, जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि भीड़ में मौजूद कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिसकर्मियों पर पत्थर, गमले, चप्पल और जूते फेंके।

हैदराबाद में पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर मेटा इंडिया के प्रमुख के खिलाफ मामला दर्ज

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कथित आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर भाजपा कार्यकताओं की शिकायत पर कुछ सोशल मीडिया उपयोगकताओं और मेटा इंडिया के प्रमुख के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं। भाजपा की तेलंगाना इकाई की सोशल मीडिया कोर कमेटी के एक सदस्य की 29 जुलाई की शिकायत के बाद आईटी कानून और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को ‘पीटीआई-भाषा’ को बताया, ‘‘ये मामले उन लोगों के खिलाफ दर्ज किए गए, जिन्होंने पोस्ट किया और उन्होंने (सोशल मंचों ने) कैसे इसकी इजाजत दी।’’ पहले मामले में, इंस्टाग्राम और फेसबुक उपयोगकताओं तथा मेटा इंडिया के प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

शिकायतकर्ता ने कुछ ऐसे इंस्टाग्राम अकाउंट की जांच की मांग की, जिनसे प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। शिकायत में कहा गया है कि इस सामग्री से देश की संप्रभुता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ विमर्श को बढ़ावा मिलता प्रतीत होता है। भाजपा की तेलंगाना इकाई के मुख्य प्रवक्ता एन वी सुभाष ने शुक्रवार को मांग की कि कॉजपा नीत नीट प्रश्नपत्र लीक आंदोलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने वाले अपमानजनक पोस्ट को लेकर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा, अभिव्यक्ति की आजादी कभी भी सुनियोजित तरीके से गाली-गलौज करने और किसी की छवि खराब करने का लाइसेंस नहीं बन सकती।’’ उन्होंने कहा कि इस मुद्दे के केंद्र में एक ‘‘बुनियादी संवैधानिक सवाल’’ है - क्या किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ बार-बार और संगठित सार्वजनिक अपमानजनक टिप्पणी अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में आता है या यह कानूनी कार्रवाई के लायक कदाचार है।

सुभाष ने एक बयान में कहा कि संविधान आजादी की रक्षा करता है, लेकिन यह कानून तोड़ने को सही नहीं ठहराता। उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ ज़िम्मेदारियां भी आती हैं और जब कानूनी सीमाओं का कथित तौर पर उल्लंघन होता है, तो जवाबदेही तय होती है।

संपादक की कलम से

अश्लीलता का महिमामंडन?

ललित शर्मा
संपादक

जंतर-मंतर लोकतांत्रिक भारत का वह सार्वजनिक मंच है जहाँ नागरिक अपनी बात सरकार और समाज तक पहुँचाने के लिए एकत्र होते हैं। यह स्थान संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। लेकिन जब किसी विरोध प्रदर्शन में भाषा की मर्यादा टूट जाती है, गाली-गलौज को प्रतिरोध का औजार बना दिया जाता है और अश्लीलता को साहस का पर्याय बताकर उसका उत्सव मनाया जाने लगता है, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है? क्या लोकतंत्र में विरोध का अर्थ हर प्रकार की भाषा और व्यवहार को वैध ठहराना है? या फिर स्वतंत्रता के साथ उत्तरदायित्व भी जुड़ा हुआ है? हाल के दिनों में जंतर-मंतर पर कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा सार्वजनिक रूप से अत्यंत आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग चर्चा का विषय बना। इस पर समाज का एक वर्ग इसे 'पितृसत्ता के विरुद्ध विद्रोह' और 'निर्भीक स्त्री की आवाज' बताकर समर्थन करता दिखाई दिया। दूसरी ओर अनेक लोगों ने इसे सामाजिक मर्यादा, सार्वजनिक शालीनता और संवैधानिक जिम्मेदारी के विरुद्ध माना। यह बहस केवल किसी एक घटना की नहीं, बल्कि उस दिशा की है जहाँ समाज अभिव्यक्ति की सीमाओं को पुनर्परिभाषित करने की कोशिश कर रहा है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(क) प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। लेकिन यही संविधान अनुच्छेद 19(2) के माध्यम से यह भी स्पष्ट करता है कि यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरंकुश नहीं है। सार्वजनिक व्यवस्था, शिष्टाचार, नैतिकता, मानहानि, न्यायालय की अवमानना और राष्ट्र की सुरक्षा जैसे आधारों पर इस स्वतंत्रता पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। अर्थात संविधान स्वयं यह स्वीकार करता है कि स्वतंत्रता और जिम्मेदारी साथ-साथ चलती हैं। किसी भी लोकतंत्र में विरोध का अधिकार आवश्यक है। सरकार की आलोचना, नीतियों पर प्रश्न और असहमति लोकतांत्रिक व्यवस्था की शक्ति हैं। लेकिन यदि विरोध की भाषा समाज में घृणा, अश्लीलता या हिंसक मानसिकता को बढ़ावा देने लगे तो उसका मूल्यांकन केवल 'स्वतंत्र अभिव्यक्ति' के आधार पर नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक जीवन में प्रयुक्त भाषा समाज की संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों पर भी प्रभाव डालती है। यह भी विचारणीय है कि यदि कोई पुरुष सार्वजनिक मंच से उसी प्रकार की भाषा का प्रयोग करे, तो क्या समाज और कानून की प्रतिक्रिया वही होगी जो किसी महिला के मामले में होती है? यदि उत्तर 'नहीं' है, तो यह समानता के सिद्धांत के अनुरूप नहीं माना जा सकता। समान अधिकारों का अर्थ समान उत्तरदायित्व भी है। यदि कानून किसी पुरुष द्वारा की गई अश्लील या आपत्तिजनक अभिव्यक्ति पर कार्रवाई करता है, तो वही मानक महिलाओं पर भी लागू होना चाहिए। इसी प्रकार यदि किसी महिला के विरुद्ध अनुचित भाषा स्वीकार्य नहीं है, तो पुरुषों के विरुद्ध भी वैसी भाषा को सामान्य नहीं बनाया जाना चाहिए। आज सामाजिक विमर्श में एक चिंता यह भी है कि कभी-कभी वैचारिक प्रतिबद्धताएँ निष्पक्षता पर भारी पड़ जाती हैं। यदि किसी घटना का मूल्यांकन व्यक्ति के विचार, राजनीतिक झुकाव या लिंग के आधार पर किया जाएगा, तो न्याय और समानता दोनों प्रभावित होंगे। किसी भी पक्ष का अंध-समर्थन लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करता है। व्यक्ति नहीं, व्यवहार और सिद्धांत मूल्यांकन का आधार होने चाहिए। पितृसत्ता, लैंगिक असमानता और महिलाओं के साथ होने वाले अन्याय वास्तविक सामाजिक प्रश्न हैं। इनके विरुद्ध संघर्ष भी आवश्यक है। लेकिन यह संघर्ष यदि गरिमा, तर्क और संवैधानिक मर्यादा के साथ चले तो उसका नैतिक बल अधिक होता है। अश्लील भाषा या अपमानजनक व्यवहार को केवल इसलिए उचित नहीं ठहराया जा सकता कि उसका उद्देश्य किसी व्यवस्था का विरोध है।

सावन आया

मोनिका डागा 'आनंद'

कविता

तपती धरती ने चैन देख थोड़ा पाया,
रिमझिम-रिमझिम करता मनभावन सावन आया।
मधुरिम-मधुरिम स्वर में कोयल गाती गाना,
अलबेला मौसम पपीहा हुआ दीवाना,
उमड़-घुमड़ बरसे मेघा मन बहुत लुभाएं,
जोर-शोर से चमक-चमक कर बिजुरि डराएं,
नन्हीं-नन्हीं बूँदों ने गीत सुहाना है गाया,
रिमझिम-रिमझिम करता मनभावन सावन आया।
कहे सजनवा सजनी छोड़ो अब शमार्ना,
बूँदों ने छेड़ी सरगम मौसम मस्ताना,
पंछी डोले मधुरस घोलें झूमें गाएं,
हो पागल मनवा प्रेमी नव ताल मिलाएं,
चली पवन ठंडी-ठंडी तन-मन हषार्या,
रिमझिम-रिमझिम करता मनभावन सावन आया।
पुराने दिनों को करें याद दादी-नानी,
छप-छप करती पानी में बिटिया रानी,
राजा बेटा खुशी से देख नाव चलाएं,
सहेलियाँ झूले झूला कजरी भी गाएं,
ढेरों खुशियाँ सखी री संग अपने लाया,
रिमझिम-रिमझिम करता मनभावन सावन आया।
तपती धरती ने चैन देख थोड़ा पाया,
रिमझिम-रिमझिम करता मनभावन सावन आया।

पंजाब मॉडल युद्ध नशेआं विरुद्ध का राष्ट्रीय विस्तार समय की मांग

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर इक्कीसवीं सदी में नशा और मादक पदार्थों का अवैध व्यापार केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, पारिवारिक सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण, युवा भविष्य, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी बहु आयामी चुनौती बन चुका है। नशीले पदार्थों का जाल किसी एक व्यक्ति को प्रभावित करके नहीं रुकता, बल्कि धीरे-धीरे पूरे परिवार की आर्थिक स्थिरता, मानसिक शांति और सामाजिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है। जब किसी घर का युवा, पति, पिता, भाई या अन्य सदस्य नशे की गिरफ्त में आता है, तब उसका सबसे गहरा और दीर्घकालिक प्रभाव अक्सर महिलाओं और बच्चों को झेलना पड़ता है। परिवार की आय नशे में खर्च होने लगती है, घरेलू तनाव बढ़ता है, बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है, मानसिक स्वास्थ्य पर दबाव पड़ता है और कई परिस्थितियों में घरेलू हिंसा तथा सामाजिक असुरक्षा का खतरा भी बढ़ जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र इस बात से पूर्णतः सहमत हूं कि नशे के विरुद्ध राष्ट्रीय रणनीति में महिलाओं को सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति के रूप में सामने लाने की आवश्यकता महत्वपूर्ण है क्योंकि माताएं, पत्नियां और बहनें नशे के दुष्प्रभाव को परिवार के भीतर सबसे निकट से देखती और महसूस करती हैं। एक मां अपने बच्चे के व्यवहार, मानसिक स्थिति और मित्र- मंडली में आए परिवर्तन को सबसे पहले पहचान सकती है। एक पत्नी परिवार की आय, घरेलू वातावरण और पति के स्वास्थ्य में हो रहे बदलावों को प्रत्यक्ष रूप से देखती है। एक बहन अपने भाई के जीवन में बढ़ती निराशा, हिंसक व्यवहार या गलत संगति को समय रहते समझ सकती है। इसलिए महिलाओं को केवल नशे की समस्या की पीड़ित या प्रभावित पक्ष के रूप में नहीं, बल्कि रोकथाम, पहचान, युद्ध नशेआं विरुद्ध से नशामुक्त भारत @ 2029 तकः मातृशक्ति, परिवार, युवा और जनभागीदारी के बल पर नशे के खिलाफ राष्ट्रीय महाअभियान -समग्र व्यापक विश्लेषण उपचार और पुनर्वास की अग्रिम पंक्ति की सामाजिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करना चाहिए। यदि हर गांव, वार्ड और शहरी बस्ती में महिला समूहों को नशा-रोधी जागरूकता, प्रारंभिक पहचान, काउंसलिंग सहायता और सरकारी उपचार सेवाओं से जोड़ा जाए, तो नशे के विरुद्ध एक विशाल सामाजिक सुरक्षा-जाल तैयार किया जा सकता है। इसी व्यापक दृष्टि के संदर्भ में पंजाब में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ युद्ध नशेआं विरुद्ध अभियान एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रयोग के रूप में सामने आया है।

साथियों, पंजाब के युद्ध नशेआं विरुद्ध अभियान की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें कानून प्रवर्तन और सामाजिक सुधार को एक- दूसरे का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक माना गया है। नशे की तस्करी करने वाले नेटवर्क केवल छोटे स्तर के विक्रेताओं तक सीमित नहीं होते; इनके पीछे आर्थिक लेन-देन, अंतरराज्यीय संपर्क डिजिटल संचार, अवैध संपत्तियां और संगठित अपराध की संरचनाएं हो सकती हैं। इसलिए तस्करों और उनके वित्तीय नेटवर्क के विरुद्ध एनडीपीएस कानून तथा अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत प्रभावी जांच, संपत्ति की वैधानिक जब्ती, धन-शोधन की जांच और अंतरराज्यीय समन्वय आवश्यक है। लेकिन कठोर कार्रवाई हमेशा कानून न्यायिक प्रक्रिया और प्रमाण- आधारित जांच के दायरे में होनी चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नशे के विरुद्ध युद्ध का अर्थ कानून से ऊपर जाकर कार्रवाई नहीं, बल्कि कानून की प्रभावी, निष्पक्ष और पारदर्शी शक्ति का उपयोग है।

साथियों, युद्ध नशेआं विरुद्ध का सबसे बड़ा संदेश यह है कि नशे के खिलाफ संघर्ष केवल अपराध के विरुद्ध कार्रवाई नहीं, बल्कि परिवार को बचाने, महिलाओं को सशक्त बनाने, बच्चों के भविष्य की रक्षा करने और युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्रनिर्माण की दिशा देने का अभियान है। माताएं, पत्नियां और बहनें इस लड़ाई की सबसे बड़ी नैतिक और सामाजिक शक्ति बन सकती हैं, क्योंकि वे परिवार की पीड़ा को समझने के साथ-साथ परिवर्तन की शुरूआत भी कर सकती हैं। जब परिवार नशे को केवल शर्म या बदनामी का विषय न मानकर उपचार योग्य समस्या के रूप में स्वीकार करेगा, जब सरकार उपचार और पुनर्वास को सुलभ बनाएगी, जब तस्करों के नेटवर्क पर कानून की कठोर कार्रवाई होगी और जब युवा नशामुक्त जीवन को विकसित भारत की जिम्मेदारी से जोड़ेंगे, तब यह अभियान वास्तविक जनआंदोलन बनेगा।

साथियों, महिलाओं की भागीदारी को राष्ट्रीय नीति में शामिल करने के लिए प्रत्येक जिले में नशामुक्त परिवार महिला शक्ति मंच स्थापित किया जा सकता है। स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, आशासेविकाओं महिला मंडलों, शिक्षिकाओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय निकायों को इस अभियान से जोड़ा जा सकता है। इन समूहों का उद्देश्य किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पहचान उजागर करना या सामाजिक अपमान करना नहीं होना चाहिए, बल्कि परिवारों को गोपनीय और सुरक्षित सहायता उपलब्ध कराना होना चाहिए। मजबूती से महिलाओं को यह प्रशिक्षण दिया जा सकता है कि नशे के शुरूआती संकेत क्या हैं, संकट की स्थिति में किस सरकारी केंद्र या हेल्पलाइन से संपर्क किया जाए, परिवार में संवाद कैसे बनाए रखा जाए और नशे से प्रभावित महिला या बच्चे की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित की जाए। इस प्रकार मातृशक्ति को भावनात्मक प्रतीक के बजाय प्रशिक्षित सामाजिक भागीदार बनाया जा सकता है। नशे की समस्या का समाधान तभी संभव है जब आपूर्ति-श्रृंखला पर कठोर प्रहार, नशाग्रस्त व्यक्ति का वैज्ञानिक उपचार, परिवार की काउंसलिंग, सामाजिक पुनर्वास, युवाओं के लिए सकारात्मक अवसर और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को एकीकृत नीति के रूप में सटीकता से लागू किया जाए।

साथियों, परिवार की भूमिका उपचार के बाद और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। नशामुक्ति केवल कुछ दिनों या महीनों की चिकित्सा प्रक्रिया नहीं है; यह व्यवहार, जीवनशैली सामाजिक वातावरण और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी दीर्घकालिक यात्रा है। कई व्यक्ति उपचार के बाद पुराने मित्रों, तनावपूर्ण परिस्थितियों, बेरोजगारी, सामाजिक कलंक या नकारात्मक वातावरण के कारण दोबारा नशे की ओर लौट सकते हैं। इसलिए उपचार केंद्र से घर लौटने के बाद परिवार का सहयोग, नियमित काउंसलिंग, सकारात्मक संवाद और सामाजिक स्वीकार्यता अत्यंत आवश्यक है। यदि परिवार व्यक्ति को लगातार दोषी ठहराता रहे, उस पर अविश्वास करे या उसे सामाजिक रूप से अलग कर दे, तो पुनर्वास कठिन हो सकता है। इसके विपरीत, यदि परिवार उसे सम्मान, जिम्मेदारी, रोजगार, शिक्षा और स्वस्थ सामाजिक वातावरण से जोड़े, तो नशामुक्त जीवन को स्थायी बनाने में सहायता मिलती है। इसीलिए सरकारी नशामुक्ति केंद्रों में केवल मरीज की नहीं, बल्कि माता-पिता, पति-पत्नी और अन्य परिजनों की फैमिली काउंसलिंग को भी संस्थागत रूप से मजबूत किया जाना चाहिए।

साथियों, राष्ट्रीय स्तर पर नशे के विरुद्ध अभियान को नई गति देने के लिए 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' की अवधारणा विशेष महत्व रखती है। सरकारी पहल के अनुसार यह अभियान युवाओं को नशे से दूर रखते हुए उन्हें विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य से जोड़ने का प्रयास है। हाल की आधिकारिक पहलों में इस विषय को युवा-नेतृत्व वाले सामाजिक आंदोलन के रूप में विकसित करने, राष्ट्रीय सहभागिता बढ़ाने और विभिन्न संस्थाओं को जोड़ने पर बल दिया गया है।

आंदोलन की संस्कृतिः अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

ललित गर्ग
लेखिका

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है।

यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

राशन कार्ड पर लगा अंगूठा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
लेखिका

कस्बे की अनाज मंडी के नुक्कड़ पर बनी सरकारी राशन की दुकान हर महीने की पहली तारीख को किसी मेले जैसी नजर आती थी जहाँ भूखे पेट और सूखी उम्मीदों का हुजूम भोर से ही अपनी बारी के इंतजार में खड़ा हो जाता था। उसी लंबी कतार के सबसे कोने में जर्जर शरीर और हाथों में खाली थैला थामे हरगोविंद दादा रोज आकर खड़े हो जाते थे। गाँव भर के लोग जानते थे कि दादा की आँखों की रोशनी भले ही मंद पड़ चुकी थी लेकिन उनके स्वाभिमान का चिराग अब भी उतनी ही कड़कड़ाहट के साथ जलता था। दादा जब भी अपनी लाठी के सहारे धीरे-धीरे राशन की दुकान की सीढ़ियों की तरफ कदम बढ़ाते तो कोटेदार सियाराम अपनी चश्मे की आड़ से लालच भरी निगाहों से उनके खाली थैले को ताकने लगता था। सियाराम का नियम था कि जब तक मशीन पीं-पीं की आवाज न करे और डिजिटल पर्ची बाहर न निकल आए तब तक वह किसी को एक दाना अनाज भी नहीं देता था। दादा कई महीनों से लगातार दुकान के चक्कर काट रहे थे लेकिन हर बार राशन की बोरी छुए बिना ही उन्हें वापस खाली हाथ अपने घर लौटना पड़ता था। मोहल्ले के लोग जब उनसे पूछते कि दादा आज भी गेहूं नहीं मिला क्या तो दादा बस एक हल्की सी फीकी मुस्कान तैरने देते और अपनी कांपती आवाज में कहते 'सियाराम सरकारी कारिंदा है भाई, जब तक बही-खाते की खानापूरी पूरी नहीं होगी वह अपने घर से तो अनाज बाँटेगा नहीं, सरकारी फेर है थोड़ा वक्त तो लगेगा ही।'

मंडी के लोग दादा की इस लगन को देखकर अक्सर आपस में तरह-तरह की कानाफूसी किया करते थे क्योंकि सबको पता था कि दादा के परिवार में अब उनके सिवा कोई बचा ही नहीं था। सियाराम भी हर बार मशीन के सामने खड़े होकर दादा को नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ता था और चिल्लाकर कहता था 'दादा तुम्हारी उम्र नब्बे पार हो गई है पर तुम्हारी जिद अभी तक कम नहीं हुई, जब तक यह मशीन तुम्हारी हाजिरी को सही नहीं मानेगी तब तक मैं तुम्हें राशन का एक दाना भी नहीं दे सकता।' दादा सियाराम की बात सुनकर बिल्कुल भी बुरा नहीं मानते थे और बहुत ही अदब से हाथ जोड़कर कहते 'सियाराम भैया तुम तो नियम धर्म से चलने वाले इंसान हो, मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है, बस इस मशीन की थोड़ी मेहरबानी हो जाए तो मेरे घर का बुझा हुआ चूल्हा भी जल उठेगा।' सियाराम अपने मुंशी से कहता कि दादा का नाम रजिस्टर में दर्ज कर लो और अगली बार फिर आने को कह दो। गाँव के नवयुवक अक्सर दादा को समझाते थे कि आप इस उम्र में धूप और धूल में क्यों इतना परेशान होते हैं, सरकार को बुजुर्गों के लिए कोई आसान रास्ता निकालना चाहिए। दादा उनकी बात सुनकर मुस्कुराते और कहते 'बेटा हक की रोटी माँगने में कैसी परेशानी, जब शरीर में सांसें चल रही हैं तो अपने हिस्से के अनाज के लिए हाथ फैलाना ही सही रास्ता है।'

राशन की दुकान पर लगी उस आधुनिक काली बायोमीट्रिक मशीन की स्क्रीन पर लाल बत्ती जलती थी और वह हर महीने दादा के संयम का इम्तिहान लेती थी। जब दादा अपनी झुर्रियों से भरी कांपती हुई उँगली उस ठंडे शीशे पर रखते तो मशीन तीन बार बीप की आवाज करके लाल निशान दिखा देती थी और सियाराम मुंशी की तरफ देखकर अपना सिर हिला देता था। सियाराम तंज कसते हुए कहता 'दादा तुम्हारी उँगलियों की रेखाएं तो उम्र के साथ घिसकर पूरी तरह खत्म हो चुकी हैं, अब यह मशीन तुम्हारी पहचान को स्वीकार ही नहीं करती, जब तक बायोमीट्रिक मिलान नहीं होगा तब तक सरकारी पोर्टल तुम्हारे नाम का कोटा रिलीज ही नहीं करेगा।' दादा अपनी उँगलियों की तरफ देखते जिन पर खेत की मिट्टियों और जिंदगी की मजदूरी के अनगिनत निशान छपे हुए थे। दादा बहुत सहजता से सियाराम से कहते 'भैया यह उँगलियाँ भले ही घिस गई हों लेकिन इन्हीं उँगलियों ने इस देश की माटी में हल चलाकर न जाने कितने लोगों का पेट भरा है, क्या यह सरकारी मशीन मेरी मेहनत के उन निशानों को पहचान नहीं सकती?' दुकान पर खड़े दूसरे लोग भी सियाराम से गुजारिश करते कि दादा को बूढ़ा समझकर थोड़ा तरस खाओ और अपने कोटे से दो किलो चावल दे दो, लेकिन सियाराम नियम का हवाला देकर सबको चुप करा देता था। शाम ढलने लगती और दुकान का शटर गिराने का वक्त हो जाता लेकिन दादा दुकान के बाहर चबूतरे पर बैठकर अपनी बारी के दोबारा आने का इंतजार करते रहते थे। गाँव का दर्जी गफूर जब अपनी दुकान बंद करके निकलने लगता तो दादा को चबूतरे पर बैठा देखकर ठिठक जाता और उनसे कहता 'दादा अब रात होने को आई है, घर चलिए और आज फिर मेरे घर से दो सूखी रोटियाँ खा लीजिए, कब तक इस निर्दयी कोटेदार के सामने हाथ फैलाते रहोगे।' दादा लाठी टेकते हुए खड़े होते और गफूर के कंधे पर हाथ रखकर कहते 'गफूर मियाँ तुम्हारी महब्बत का शुक्रिया लेकिन किसी का दिया हुआ मुफ्त का निवाला मेरे गले से नीचे नहीं उतरता, मुझे तो बस उस दिन का इंतजार है जब यह मशीन मेरे वजूद को कुबूल कर लेगी और मैं अपने नाम की पर्ची लेकर सीना ठोककर घर जाऊँगा।' गफूर दादा के इस अटूट हौसले के सामने नतमस्तक हो जाता और उन्हें सहारा देकर उनके अंधेरे कमरे तक छोड़ आता था। दादा की इस अनूठी जिद की चर्चा अब पूरे कस्बे में होने लगी थी और लोग हैरान थे कि एक लाचार बूढ़ा इंसान इतने हफ्तों से बिना अनाज के सिर्फ उम्मीद के सहारे कैसे जिंदा बचा हुआ था।

महीने का आखिरी दिन आ गया था और आज राशन बाँटने का अंतिम मौका था जिसके बाद बचा हुआ सारा कोटा सरकारी गोदाम में वापस चला जाता। दादा आज सुबह पाँच बजे से ही दुकान के शटर के बाहर अपनी लाठी लिए बैठ गए थे और उनके चेहरे पर एक अजीब सी शांति और तृप्ति दिखाई दे रही थी। जब सियाराम ने आकर दुकान का ताला खोला तो दादा को सबसे पहले देखकर चकित रह गया और रूखे मन से बोला 'दादा तुम आज फिर सबसे पहले आ गए, चलो आओ आखिरी बार कोशिश करके देख लो वरना इस महीने का राशन भी लैप्स हो जाएगा।' दादा बिना कुछ बोले धीरे-धीरे चलकर मशीन के पास पहुँचे और इस बार उन्होंने बिना किसी झिझक के अपनी पूरी हथेली उस स्कैनर के ऊपर रख दी। मशीन ने कुछ पल के लिए प्रोसेसिंग की रोशनी चमकाई और अचानक एक लंबी हरी बत्ती जल उठी और प्रिंटर से खटखट की आवाज के साथ एक लाल रंग की सरकारी पर्ची बाहर निकल आई। सियाराम की आँखें फटी की फटी रह गईं और उसने चिल्लाकर कहा 'अरे कमाल हो गया दादा, आज तो इस सरकारी मशीन ने तुम्हारा अंगूठा स्वीकार कर लिया और तुम्हारी दसों उँगलियों का बायोमीट्रिक वेरीफिकेशन पूरा हो गया।'

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

कमिश्नर के निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने गंगा घाट का किया पुनः निरीक्षण, कांवड़ यात्रा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद के आयुक्त के भ्रमण एवं निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी कविता मीना ने सावन माह में आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत जनपद के प्रमुख गंगा घाट का पुनः स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा तथा विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही तैयारियों का गहनता से जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाट पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, गोताखोरों की तैनाती, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, पार्किंग, श्रद्धालुओं के आवागमन के मार्ग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से प्रत्येक व्यवस्था की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और किसी भी प्रकार की कमी शेष न रहने दें। जिलाधिकारी कविता मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुक्त द्वारा दिए गए निदेशों के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को शीघ्र अंतिम रूप दिया जाए, ताकि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि घाट पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों की नियमित निगरानी की जाए तथा सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय स्थिति में रहें। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सभी संबंधित विभाग सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने, भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन पहले से तैयार रखने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 24-7 फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने, समय-समय पर निरीक्षण करने तथा प्रत्येक व्यवस्था का नियमित मूल्यांकन करने के निर्देश दिए।

पुलिस उपाधीक्षक आशुतोष मिश्रा ने पांच सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों को सम्मानपूर्वक दी विदाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रतापगढ़। पुलिस लाइन प्रतापगढ़ में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए पांच पुलिस कर्मियों के सम्मान में गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त कर्मियों की वर्षों की उत्कृष्ट एवं समर्पित सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक नगर आशुतोष मिश्रा ने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक रामकृष्ण वर्मा, रामगोपाल, विनोद कुमार चौरसिया, रमेश कुमार तथा मुख्य आरक्षी भीम कुमार को श्रीरामचरितमानस, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी के अनुकरणीय सेवाकाल की प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। समारोह में प्रतिसार निरीक्षक राजीव राय सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों के दीघार्यु, उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।

नशा मुक्ति पर 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

चांदपुर। शकुंतला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में नशा मुक्ति पर 'पोस्टर प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया जिसमें श्वेता पाल,शौर्य भटनागर, दिया चौधरी, अलवीरा और सानिया मलिक सलोनी, रूपाली, अमित कुमार, समीक्षा रानी, मुनीश, मोहम्मद अमन, पायल, निशा, आँचल, कंचन और चाहत आदि विभिन्न छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिममें श्वेता पाल बीएससी फर्स्ट ईयर को प्रथम स्थान, सूर्य भटनागर बीकॉम सेकंड ईयर व दिया चौधरी बीकॉम थर्ड ईयर का द्वितीय स्थान तथा अलवीरा बी० ए०फर्स्ट ईयर व सानिया मलिक का तृतीय स्थान रहा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० एच० जी० पाठक ने सभी छात्र-छात्राओं को नशा मुक्ति के लिये समाज में जागरूकता फैलाने पर जोर दिया।इसी क्रम मे उप प्राचार्या डॉ० शिवानी शर्मा ने भी नशा मुक्ति पर अपने विचार व्यक्त किये राष्ट्रीय सेवा योजना के।कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनोज कुमार ने नशा मुक्ति कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नैंसी त्यागी, पारुल राव, हर्षि अग्रवाल, मितुल कुमार, अभिषेक अग्रवाल, गुंजन शर्मा, स्वाति शर्मा, अमित चौहान और अमित कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

गैंगस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, गढ़मुक्तेश्वर पुलिस को मिली सफलता

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली प्रभारी देवेंद्र बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में फरार चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। हापुड़ पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत वांछित एवं फरार अभियुक्तों की धरपकड़ जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

भाकियू (एकता शक्ति) में डॉ. यामीन सैफी की हुई वापसी, राष्ट्रीय संगठन मंत्री बनाए गए

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन (एकता शक्ति) के राष्ट्रीय कार्यालय पर शुक्रवार को संगठन में पुनः वापसी करने पर डॉ. यामीन सैफी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने डॉ. यामीन सैफी का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें संगठन में दोबारा सक्रिय भूमिका निभाने के लिए शुभकामनाएँ दीं।संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व ने डॉ. यामीन सैफी को राष्ट्रीय संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपते हुए नियुक्ति की घोषणा की। नेतृत्व ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, समर्पण और संगठनात्मक क्षमता से संगठन को नई मजबूती मिलेगी तथा किसान हितों की लड़ाई को और प्रभावी दिशा प्राप्त होगी। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एडवोकेट अक्षित शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष (अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ) आबिद खान तथा युवा प्रदेश अध्यक्ष शाहरुख मलिक सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. यामीन सैफी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएँ देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

दिव्यांग छात्र हरिकुमार का राजकीय आवासीय विद्यालय में हुआ नामांकन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बांसी/सिद्धार्थनगर। विकास खंड बांसी के कंपोजिट विद्यालय टड़वल घाट के विशेष शिक्षक अवनीश त्रिपाठी के प्रयास से दिव्यांग छात्र हरिकुमार का नामांकन राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापगढ़ में हुआ है। इसमें दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए आवासीय व्यवस्था लागू है। सत्र 2025-26 में कक्षा आठ उत्तीर्ण करने वाले अस्थि दिव्यांग छात्र हरिकुमार की दिव्यांगता, घर की दूरी और लाचारी के वजह से पढ़ नही रहा था।

डीसी करुणापति त्रिपाठी ने बताया कि छात्र हरिकुमार का घर बांसी मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है।कक्षा आठ पास करने के बाद आगे की पढ़ाई के लिए उसे रोज बांसी आना पड़ता, जो उसकी शारीरिक स्थिति के कारण कठिन था। हरिकुमार की पढ़ने की इच्छा को देखते हुए आवासीय विद्यालय में नामांकन के लिए प्रयास किया गया। अब उसे मुफ्त आवास, भोजन और बेहतरीन माहौल में आगे की पढ़ाई करने का अवसर मिल रहा है।

हापुड़ में कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी गठित, पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र किये वितरित

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। दिल्ली रोड स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में शुक्रवार को कांग्रेस विधि प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर विधि प्रकोष्ठ के जिला चेयरमैन एडवोकेट रघुवीर सिंह ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।जारी सूची के अनुसार शिवकुमार शर्मा, यतीश कुमार शर्मा, बृजेश शर्मा, नवाब अहमद, दिनेश सैनी, विकास भारद्वाज एवं प्रवीण कुमार को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया। जगदीश प्रसाद जौहरी, नकुल शर्मा, खुर्रम सलीम, विकास शर्मा एवं प्रशांत कुमार शर्मा को जिला महासचिव, अंबेडकर एडवोकेट, देवेंद्र कुमार, राहुल शर्मा, इशरार अली एवं शाकिर अली को जिला सचिव नियुक्त किया गया। राहुल कुमार शर्मा को मीडिया प्रभारी तथा विनोद कुमार सिवाल को जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी, शहर अध्यक्ष इरफान अहमद तथा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एडवोकेट सेंसरपाल सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा कि विधि प्रकोष्ठ संगठन का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसका उद्देश्य गरीब, मजदूर, शोषित, पीड़ित एवं जरूरतमंद लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा अन्याय के खिलाफ आवाज उठाती रही है और आगे भी उठाती रहेगी।वहीं, विधि प्रकोष्ठ के जिला चेयरमैन एडवोकेट रघुवीर सिंह ने कहा कि पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी जनता के अधिकारों की रक्षा और न्याय दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब, दलित, वंचित, शोषित अथवा पीड़ित व्यक्ति के साथ अन्याय होने पर कांग्रेस उसके साथ खड़ी मिलेगी। कार्यक्रम में नरेश भाटी, जिला महासचिव एवं मीडिया प्रभारी गौरव गर्ग, यूथ कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष (हापुड़) आकाश त्यागी, अफजाल आढ़ती, खुशनूद अली, कंट्रोल रूम प्रभारी गोपाल भारती तथा महबूब अली सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सऊदी अरब में हुई मौत, डेढ़ माह बाद भी शव नहीं पहुंचा गांव

वेलकम इण्डिया संवाददाता

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील क्षेत्र के डोकम अम्या गांव निवासी रिजवान अहमद की सऊदी अरब में डेढ़ माह पहले हुई मौत के बाद भी उनका शव भारत नहीं पहुंच सका है। बेटे के अंतिम दर्शन की आस में मां और परिवार के लोग गहरे सदमे में हैं। मां का रो-रोकर बुरा हाल है और वह बेटे के शव के इंतजार में दिन-रात राह देख रही है। परिजनों के अनुसार रिजवान अहमद रोजी-रोटी कमाने के लिए सऊदी अरब गए थे, जहां उनकी मौत हो गई। घटना के डेढ़ माह बीत जाने के बावजूद शव भारत नहीं लाया जा सका है। बेटे का शव मंगाने के लिए मां ने सिद्धार्थनगर जिला प्रशासन से लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री तक गुहार लगाई है। परिवार ने सरकार और संबंधित अधिकारियों से मानवीय आधार पर जल्द आवश्यक कार्रवाई कर शव भारत मंगवाने की मांग की है, ताकि परिजन अंतिम दर्शन और धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार कर सकें।

जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की छात्रा हर्षिता बंगारी ने नीट में 99.46 परसेंटाइल के साथ रचा सफलता का इतिहास

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की मेधावी छात्रा हर्षिता बंगारी ने देश की प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा ठएएळ-वऋमें शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। हर्षिता ने 720 में से 598 अंक प्राप्त कर 99.46 परसेंटाइल हासिल की है। छात्रा की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्कूल पहुँचने पर हर्षिता का फूल-मालाओं एवं मिठाई खिलाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मेडिकल क्षेत्र में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएँ दीं।विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक ने हर्षिता एवं उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन, निरंतर प्रयास और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।विद्यालय प्रबंधन के डॉ. आयुष सिंघल एवं डॉ. रोहन सिंघल ने भी हर्षिता की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छात्रों की सफलता ही विद्यालय की सबसे बड़ी पहचान है। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की लगन की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि हर्षिता भविष्य में एक सफल चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेगी।

तराई क्षेत्र में डीएम का दौरा, बाढ़ तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

रूदौली (अयोध्या)। जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने शुक्रवार को रूदौली क्षेत्र के तराई एवं बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ उपजिलाधिकारी विनोद कुमार गुप्ता, तहसीलदार विजय कुमार गुप्ता एवं खंड विकास अधिकारी अखिलेश कुमार गुप्ता भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, शुद्ध पेयजल तथा आवागमन के लिए रास्तों से जुड़ी समस्याएं जिला अधिकारी के समक्ष रखीं। जिला अधिकारी ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक बिंदु का स्थलीय सत्यापन कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।डीएम ने बाढ़ से बचाव, राहत एवं बचाव कार्यों, पेयजल, आवागमन तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रभावित ग्रामीणों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

नाला निर्माण व सफाई को लेकर कांग्रेस नेताओं ने ईओ को सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

रुदौली/अयोध्या। आदर्श नगर पालिका परिषद रुदौली क्षेत्र में जर्जर नालों, जलनिकासी की बदहाल व्यवस्था और नियमित साफ-सफाई न होने से बढ़ रही गंदगी को लेकर कांग्रेस नेताओं ने नगर पालिका प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया। गुरुवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष मोहम्मद तारिक रुदौलवी तथा पूर्व पीसीसी सदस्य इरफान खान ने अधिशासी अधिकारी प्रेम नाथ को ज्ञापन सौंपकर नगर के विभिन्न मोहल्लों में नाला निर्माण, जर्जर नालों की मरम्मत और नियमित सफाई कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि नगर के कई वार्डों और मोहल्लों में लंबे समय से नालियां क्षतिग्रस्त हैं तथा उनकी नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों और गलियों में भर जाता है। इससे लोगों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में स्थिति और गंभीर हो जाती है तथा जलभराव के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी रहती है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि नगरवासियों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसलिए जिन स्थानों पर नाले जर्जर हैं, वहां शीघ्र नए नालों का निर्माण कराया जाए तथा सभी प्रमुख नालों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जलनिकासी व्यवस्था सुचारु रह सके।इस दौरान अधिशासी अधिकारी प्रेम नाथ ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर के जर्जर नालों की मरम्मत और आवश्यक स्थानों पर सफाई अभियान जल्द शुरू कराया जाएगा तथा जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। नगरवासियों ने भी नगर पालिका प्रशासन से नियमित सफाई व्यवस्था और जलनिकासी की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है, ताकि बरसात के दौरान लोगों को जलभराव और गंदगी से राहत मिल सके।

प्रांतीय आह्वान पर माध्यमिक विद्यालयों शिक्षकों का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम 14 सूत्रीय मांगपत्र भेजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (पाण्डेय गुट) के प्रांतीय आह्वान पर शुक्रवार को जनपद के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के सैकड़ों शिक्षकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 14 सूत्रीय मांगपत्र माध्यमिक वित्त एवं लेखा अधिकारी शैलेंद्र सिंह के माध्यम से प्रेषित किया गया। प्रदेशीय उपाध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र शर्मा, जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा, जिला मंत्री शिवम शर्मा तथा कोषाध्यक्ष नम्रता निरंजन के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन में शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से लंबित समस्याओं के समाधान न होने से शिक्षकों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने सरकार से शिक्षकों के हितों की रक्षा करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। ज्ञापन में पुरानी पेंशन योजना की बहाली, शिक्षा सेवा अधिनियम-2023 में सेवा सुरक्षा संबंधी प्रावधानों की पुनर्स्थापना, तदर्थ शिक्षकों का नियमितीकरण, एनपीएस की विसंगतियों का समाधान, राज्य कर्मचारियों की भांति त्रिस्तरीय प्रोन्नति, व्यावसायिक एवं कंप्यूटर शिक्षकों को पूर्ण शिक्षक का दर्जा, राजकीय शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष किए जाने, 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते को मूल वेतन में समायोजित कर वेतन निर्धारण, रिक्त प्रधानाचार्य पदों पर शीघ्र नियुक्ति, कैशलेस चिकित्सा योजना का दायरा बढ़ाकर सेवानिवृत्त, मदरसा, आईसीएसई एवं सीबीएसई शिक्षकों को शामिल करने, संस्कृत विद्यालयों में रिक्त पदों की पूर्ति तथा वर्ष 2014 के बाद नियुक्त शिक्षकों को सामूहिक बीमा एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ देने सहित कुल 14 मांगें शामिल हैं। प्रदर्शन के उपरांत माध्यमिक वित्त एवं लेखा अधिकारी शैलेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। इसकी प्रतिलिपि माध्यमिक शिक्षा मंत्री, अपर मुख्य सचिव (माध्यमिक शिक्षा) तथा शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) को भी भेजी गई। इस दौरान प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार मिश्रा, उमेश चंद, बृजेश कुमार, जुगल कुमार, पारुल शर्मा, शिव कुमार निगम, संजय वर्मा, विनोद कुमार शुक्ला, डॉ. राकेश कुमार राही, विश्वजय सिंह, दिमान सिंह, संग्राम सिंह, श्रीनिवास शर्मा, पारस, सत्य प्रकाश सारस्वत, चतुर शिरोमणि शर्मा, ललित शर्मा, प्रशांत शर्मा, करण बाबू, रवि कुमार, गोपाल सिंह, संजीव सिंह, सुशील भारद्वाज, प्रियंका शर्मा, शालिनी शर्मा, रेखा, सीमा मिश्रा, गीता यादव, दीपक शर्मा, शिवानी, ऊष्मा शर्मा, अरुण झा, अंजलि वर्मा, प्रीति पांडे, विपिन, विष्णु कानोरिया, विजय शर्मा, पंकज कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश, दो गिरफ्तार, चोरी के 9 दोपहिया वाहन, अवैध तमंचा व चाकू बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं वाहन चोरों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ देहात पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना प्रभारी पारस मलिक के नेतृत्व में पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे एवं निशानदेही पर चोरी के 09 दुपहिया वाहन (08 मोटरसाइकिल एवं 01 स्कूटी) के अलावा एक अवैध तमंचा, कारतूस तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे एनसीआर क्षेत्र तथा अन्य जनपदों से दोपहिया वाहन चोरी कर उन्हें कम कीमत पर बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी शातिर किस्म के वाहन चोर हैं। जांच में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध दिल्ली, अमरोहा, मेरठ, बिजनौर, मुरादाबाद और हापुड़ सहित विभिन्न जनपदों में चोरी, लूट, हत्या, गैंगस्टर एक्ट एवं गुंडा एक्ट से संबंधित करीब तीन दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

तीन लाख रुपये नहीं मिले तो विवाहिता को जिंदा जलाने की रची साजिश, पांच के खिलाफ केस

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। सेहरामऊ उत्तरी। दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता के साथ मारपीट करने और पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर सेहरामऊ उत्तरी थाना पुलिस ने विवाहिता की तहरीर के आधार पर पति समेत पांच लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन तेज कर दी है। दौलतपुर गांव निवासी क्रांति देवी ने न्यायालय के माध्यम से पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसका विवाह पीलीभीत निवासी आदेश कुमार के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग को लेकर उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। विवाहिता के मुताबिक, ससुरालियों ने उससे पहले 40 हजार रुपये और बाद में 50 हजार रुपये दहेज के रूप में लिए। इसके बावजूद आरोपियों की मांग समाप्त नहीं हुई और बाद में उससे तीन लाख रुपये अतिरिक्त दहेज लाने का दबाव बनाया जाने लगा।

विवाहिता का आरोप है कि मायके से तीन लाख रुपये लाने में असमर्थता जताने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से निकालने का प्रयास किया। आरोप है कि उत्पीड़न बढ़ने पर उसने ससुरालियों को कथित रूप से पेट्रोल डालकर उसे जिंदा जलाने की योजना बनाते हुए सुन लिया। इस बात की जानकारी होने के बाद विवाहिता को अपनी जान का खतरा महसूस हुआ और वह किसी तरह वहां से निकलकर अपने मायके पहुंच गई।

पीड़िता के अनुसार, उसके दो बच्चे भी हैं और वह फिलहाल अपने माता-पिता के साथ रह रही है। उसने न्यायालय से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। न्यायालय के आदेश के बाद पुलिस ने पीलीभीत के मोहल्ला वागुलशेर खां निवासी आदेश कुमार, रामस्वरूप, हरिओम, लालाराम और प्रिंस के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जेडए की जमीन पर कब्जे का मुकदमा, सात आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना हजारा पुलिस ने जेडए की भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में दर्ज मुकदमे में नामजद सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध कब्जा करने वालों में खलबली मच गई। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।पुलिस के अनुसार, जनपद में अपराध नियंत्रण के साथ सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जे की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थाना हजारा पुलिस ने नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की थी। इसी क्रम में थानाध्यक्ष शरद यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। मुखबिर से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने 30 जुलाई को जनपद लखीमपुर खीरी के थाना संपूर्णानगर क्षेत्र में स्थित ग्राम कमलापुरी कॉलोनी में दबिश दी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए सभी सात आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान वाकिर पुत्र रामाशंकर, धनेश पुत्र ऋषिदेव, मंगरु पुत्र नेमधर, प्रहलाद पुत्र ऋषिदेव, रमेश पुत्र ऋषिदेव, मुन्ना लाल पुत्र प्रहलाद तथा बदरी पुत्र रामदरेश के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपी ग्राम कमलापुरी कॉलोनी के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि जेडए की भूमि पर अवैध कब्जे के संबंध में थाना हजारा में आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस को सफलता मिली और सभी नामजद आरोपी गिरफ्त में आ गए। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। थानाध्यक्ष शरद यादव ने बताया कि सरकारी और सार्वजनिक भूमि पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले तत्वों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

वृद्ध महिला की हत्या के दोषी को उम्रकैद, 26 हजार जुमार्ना

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायालय ने थाना राया क्षेत्र के तिरवाया गांव में हुई सनसनीखेज वृद्ध महिला की हत्या के मामले में फैसला सुनाया है। जिला जज विकास कुमार की अदालत ने आरोपी शेलू उर्फ शैलेंद्र को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास और 26 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।अभियोजन पक्ष के अनुसार घटना के वक्त पीड़ित परिवार आगरा में एक शादी समारोह में गया हुआ था। वापस लौटने पर वृद्ध मां कुंती का शव घर के अंदर लहूलुहान हालत में मिला। पुलिस विवेचना के दौरान मृतका की बेटी के बयान और कॉल रिकॉर्डिंग से खुलासा हुआ कि वारदात की रात आरोपी शेलू घर में मौजूद था और पानी मांग रहा था। इसी पुख्ता सुराग के आधार पर पुलिस ने चार्जशीट दाखिल की। न्यायालय ने 12 गवाहों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी पाते हुए जेल भेज दिया।

जिला कारागार में डीएम-एसपी का औचक निरीक्षण

बंदियों के स्वास्थ्य और भोजन की गुणवत्ता पर विशेष जोर, व्यवस्थाओं में लापरवाही मिलने पर कार्रवाई के संकेत

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने शुक्रवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर जेल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अचानक अधिकारियों के पहुंचने से कारागार प्रशासन में हलचल मच गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने किशोर बैरक समेत विभिन्न बैरकों और जेल अस्पताल का बारीकी से निरीक्षण किया।

उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता की भी जानकारी ली।जिलाधिकारी ने बैरकों में पहुंचकर बंदियों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने बंदियों से पूछा कि उन्हें जेल में किसी तरह की परेशानी तो नहीं है और निर्धारित मानकों के अनुसार सुविधाएं मिल रही हैं या नहीं। बंदियों द्वारा बताई गई समस्याओं का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने जेल अस्पताल का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने उपचार करा रहे बंदियों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और चिकित्सा सुविधाओं के बारे में भी पूछताछ की। उन्होंने अस्पताल में तैनात चिकित्सक को स्पष्ट निर्देश दिए कि बीमार बंदियों के इलाज और स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। गंभीर रूप से बीमार बंदियों को समय से बेहतर उपचार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार में साफ-सफाई की व्यवस्था का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि बंदियों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। भोजन की गुणवत्ता और नियमितता पर विशेष ध्यान देने के साथ ही जेल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

औचक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कारागार प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया कि बंदियों की मूलभूत सुविधाओं, स्वास्थ्य और सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के समय जेल अधीक्षक, जेलर सहित अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेमिका को घर लाने पर पत्नी के विरोध पर पीटा

बरखेड़ा। पहले से शादीशुदा एक युवक छह महीने पहले प्रेम प्रसंग में गांव की एक विवाहिता को ले गया। गत दिवस वह प्रेमिका को लेकर अपने घर लौट आया। प्रेमिका को घर लाने का पत्नी ने विरोध किया तो पति ने उसकी पिटाई कर दी। साथ ही फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। बाद में पत्नी व बच्चों के कपड़े एकत्र करके आग लगाकर जला दिए। उसकी पत्नी ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। शाम करीब पांच बजे अपनी प्रेमिका को लेकर घर पहुंचा। तब विवाद हो गया। इस बीच युवक ने फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास किया। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने युवक को बचाया। इलाज के बाद बृहस्पतिवार सुबह युवक को घर भेज दिया गया। घर लौटने के बाद युवक ने एक बार फिर अपनी पत्नी से मारपीट की। पत्नी डरकर मोहल्ले के एक अन्य घर में जाकर छुप गई। इसी दौरान गुस्से में आकर युवक ने कपड़ों को एकत्र कर आग लगा दी और मौके से चला गया।

श्रद्धालुओं की राह में न आएं बाधाएं, कांवड़ मार्ग हो दुरुस्त

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पूरनपुर/पीलीभीत। सावन मास में शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू रक्षा संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने शुक्रवार को जिलाध्यक्ष मनोज कुमार के नेतृत्व में एसडीएम पूरनपुर को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कांवड़ यात्रा मार्गों की जर्जर हालत, जगह-जगह फैली गंदगी और सड़कों पर घूम रहे आवारा पशुओं की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन से तत्काल प्रभावी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि सावन माह में बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर विभिन्न शिवालयों की ओर जाते हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को कई स्थानों पर खराब सड़कों और गहरे गड्ढों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ता है। बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। ऐसे में कांवड़ियों के साथ दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। संगठन ने प्रशासन से सभी प्रमुख कांवड़ यात्रा मार्गों का तत्काल निरीक्षण कर उन्हें गड्ढामुक्त कराने की मांग की। इसके अलावा यात्रा मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने, नियमित रूप से सफाई कराने तथा आवश्यकता वाले स्थानों पर ब्लीचिंग पाउडर और चूने का छिड़काव कराने की मांग भी ज्ञापन के माध्यम से की गई। संगठन का कहना है कि स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण से कांवड़ियों को यात्रा के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। ज्ञापन में सड़कों और प्रमुख मार्गों पर घूम रहे आवारा गोवंश को भी तत्काल हटाकर निकटवर्ती गोशालाओं में भेजने की मांग उठाई गई। संगठन ने कहा कि अचानक सड़क पर आने वाले पशुओं से कांवड़ यात्रियों के साथ दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

प्रशासन को संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देकर समय रहते सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करानी चाहिए।संगठन ने चेतावनी दी कि यदि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले समस्याओं का समाधान नहीं कराया गया तो श्रद्धालुओं में रोष उत्पन्न हो सकता है। इस दौरान संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन बंदोबस्त में फंसा मुरैनियां गांधी नगर और शास्त्रीनगर के किसानों का भूमिधरी अधिकार

प्रधानों ने कृषि मंत्री को ज्ञापन सौंपकर जल्द कार्रवाई और प्रक्रिया पूरी कराने की उठाई मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। वन बंदोबस्त प्रक्रिया के चलते मुरैनियां गांधी नगर और शास्त्रीनगर गांव के किसानों के भूमिधरी अधिकार का मामला अधर में लटक गया है। वर्षों से भूमि पर कृषि कार्य कर रहे किसानों को भूमिधरी अधिकार दिलाने की प्रक्रिया में व्यवधान आने से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। मामले को लेकर ग्राम पंचायत मुरैनियां गांधी नगर के प्रधान एवं प्रशासक मुकेश कुमार एडवोकेट तथा ग्राम पंचायत शास्त्रीनगर के प्रधान एवं प्रशासक मनोज सिंह ने प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को ज्ञापन भेजकर समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत मुरैनियां गांधी नगर नगर और ग्राम पंचायत शास्त्रीनगर, विकासखंड पूरनपुर क्षेत्र में अनेक किसान वर्षों से संबंधित भूमि पर कृषि कार्य करते चले आ रहे हैं। सरकार की ओर से भूमि अधिकार अधिनियम के तहत किसानों को उनका अधिकार दिलाने की प्रक्रिया शुरू होने से ग्रामीणों में उम्मीद जगी थी। इसी बीच वन बंदोबस्त प्रक्रिया के अंतर्गत वन विभाग द्वारा कार्रवाई और पैमाइश शुरू किए जाने से दोनों गांवों की भूमि भी इसकी जद में आ गई। इसके चलते पात्र किसानों की भूमिधरी की कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पा रही है।प्रधानों का कहना है कि भूमिधरी की प्रक्रिया लंबित होने से किसानों को कृषि ऋण, फसल बीमा, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि समेत अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। ज्ञापन में कृषि मंत्री से वन विभाग, राजस्व विभाग और जिला प्रशासन को आवश्यक निर्देश जारी कर वन बंदोबस्त प्रक्रिया से उत्पन्न गतिरोध को दूर कराने तथा पात्र किसानों की भूमिधरी की कार्रवाई जल्द पूरी कराने की मांग की गई है। प्रधानों ने कहा कि दोनों गांवों के किसानों को उनका वैधानिक भूमि अधिकार दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। बताया गया कि मामले को लेकर न्यायालय में भी त्वरित संज्ञान के लिए प्रयास जारी हैं। किसानों को उम्मीद है कि शासन स्तर से जल्द सकारात्मक कार्रवाई होने पर वर्षों से लंबित भूमि अधिकार का रास्ता साफ हो सकेगा।

शारदा पार के गांवों में पशु टीकाकरण की उठी मांग, ग्राम प्रधान बासूदेव कुंडू ने डीएम से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पूरनपुर/पीलीभीत। शारदा नदी के पार बसे ग्राम पंचायत चंदिया हजारा के दो गांवों में पशुओं के टीकाकरण की सुविधा पहुंचाने की मांग को लेकर ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। ग्राम प्रधान ने पशुपालकों की समस्या को गंभीर बताते हुए शारदा नदी के उस पार स्थित गांवों में पशु चिकित्सा विभाग की टीम भेजकर टीकाकरण कराने की मांग की है।

जिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में ग्राम प्रधान ने बताया कि ग्राम पंचायत चंदिया हजारा के अंतर्गत आने वाले गांव मुस्तफाजिया और शारदा नदी के उस पार स्थित क्षेत्र में पशुओं के टीकाकरण की सुविधा समय पर नहीं मिल पा रही है। इसके चलते पशुपालकों को अपने पशुओं को लेकर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को आशंका है कि समय से टीकाकरण नहीं होने पर पशु संक्रामक बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। पत्र में कहा गया है कि शारदा नदी के उस पार स्थित गांधी नगर पशु चिकित्सालय की टीम से गांवों में टीकाकरण कराए जाने की व्यवस्था की जाए। ग्राम प्रधान बासूदेव कुंडू के मुताबिक, संबंधित गांवों से पूरनपुर स्थित पशु चिकित्सालय की दूरी करीब 150 किलोमीटर है। ऐसे में ग्रामीणों के लिए पशुओं को इतनी दूर ले जाकर टीकाकरण कराना बेहद कठिन है। नदी पार क्षेत्र में आवागमन की समस्या के कारण पशुपालकों को समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत उठानी पड़ती है। ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पशुपालकों की परेशानी को देखते हुए संबंधित पशु चिकित्सा टीम को निर्देशित कर गांवों में ही विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाए। इससे पशुओं को बीमारी से बचाने के साथ ही पशुपालकों को भी बड़ी राहत मिल सकेगी।ग्रामीणों का कहना है कि पशुधन उनके लिए आय का प्रमुख साधन है। ऐसे में पशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा बेहद जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द पशु चिकित्सा टीम भेजकर टीकाकरण कराने की मांग की है, ताकि किसी भी संभावित बीमारी के प्रकोप से पहले ही पशुओं को सुरक्षित किया जा सके।

सेवानिवृत्त नायब दरोगा को पत्रकार केपी सिंह ने किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। पथरा थाने पर तैनात उपनिरीक्षक रमाशंकर यादव के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को थाने में भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ओम प्रकाश मिश्रा सहित पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें फूल-माला पहनाकर तथा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष कृष्ण प्रताप सिंह बब्बू ने सेवानिवृत्त नायब दरोगा रमाशंकर यादव को अंग वस्त्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें विदाई दी। सहकर्मियों ने उनके लंबे अनुशासित एवं निष्पक्ष सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। उपनिरीक्षक रमाशंकर यादव ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस विभाग में मिले सहयोग और स्नेह को वह हमेशा याद रखेंगे समारोह का समापन सभी के शुभकामनाओं के साथ हुआ। इस दौरान ज्ञान प्रताप सिंह, आशुतोष शुक्ला, उदय नाथ मिश्रा के अलावा कांस्टेबल अनुपम मौर्या रिश्ते सिंह शिवम ओमलता सहित आदि लोग मौजूद रहे।

उपाध्यक्ष गो-सेवा आयोग महेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में गो-संरक्षण एवं अनुश्रवण मूल्यांकन समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

गोमाता की सेवा से हमारे संस्कार एवं संस्कृति की रक्षा होगी : महेश कुमार शुक्ल

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश गो-सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में गोवंश संरक्षण, संवर्धन एवं अनुश्रवण मूल्यांकन समिति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव एवं मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के प्रारंभ में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल का बुके भेंटकर स्वागत किया। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद में संचालित गो-आश्रय स्थलों एवं गो-संरक्षण से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में वर्तमान में कुल 12 गो-आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 4 शहरी एवं 8 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। इन आश्रय स्थलों में कुल 1369 गोवंश संरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि विकासखंड हैंसर बाजार के कुरमौर में नगर पंचायत द्वारा लगभग 200 गोवंश क्षमता वाली नई कान्हा गोशाला स्थापित की गई है तथा अतिरिक्त गोवंशों को चरणबद्ध तरीके से वहां स्थानांतरित किया जा रहा है। शासन के निदेर्शानुसार बढ़या ठाठर, मझौरा एवं जिगिना स्थित तीन गो-आश्रय स्थलों का संचालन एनजीओ को सौंपा गया है। बैठक में उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने निर्देश दिए कि किसी भी एनजीओ को गोशाला संचालन की जिम्मेदारी देने से पहले उसके पूर्व कार्यों, वित्तीय स्थिति, कार्यक्षमता एवं गुणवत्ता का परीक्षण अवश्य किया जाए तथा समय-समय पर उनके कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत वर्तमान में 139 पशुपालक लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनके पास 229 गोवंश सुपुर्द किए गए हैं। जून 2026 तक के भरण-पोषण मद का फंड रिक्वेस्ट भेज दिया गया है। गो-आश्रय स्थलों में छोटे गोवंशों के लिए अलग नाद, पेयजल व्यवस्था, बीमार पशुओं के लिए आइसोलेशन वार्ड तथा हरे चारे की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है। समीक्षा के दौरान उपाध्यक्ष ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि गो-संरक्षण से जुड़े प्रत्येक कार्य का समुचित डॉक्यूमेंटेशन किया जाए।

उन्होंने हरे चारे की आवश्यकता एवं उपलब्धता का नियमित आकलन, गो-आश्रय स्थलों में वृक्षारोपण के संरक्षण, जैविक खाद एवं गोबर के उपयोग, गोचर भूमि के चिन्हांकन तथा सभी आवश्यक अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गोशाला में गोवंशों की टैगिंग, टीकाकरण, उपचार, पंचनामा एवं पोस्टमार्टम से संबंधित रजिस्टर नियमित रूप से अपडेट किए जाएं। सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से संचालित रहें, छोटे एवं बड़े गोवंशों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएं हों तथा भूसा, दाना, चोकर, चूनी एवं हरे चारे की गुणवत्ता एवं उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

महेश कुमार शुक्ल ने निर्देश दिए कि सभी नोडल अधिकारी प्रत्येक सप्ताह गो-आश्रय स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा करें तथा कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने रात्रि के समय केयरटेकर की उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा पशु चिकित्साधिकारियों को गोवंशों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत अधिकाधिक गोवंश पालन करने का आह्वान करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं गो-सेवा एवं गो-संरक्षण के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं और सरकार चाहती है कि समाज की अधिक से अधिक सहभागिता इस कार्य में सुनिश्चित हो। उपाध्यक्ष ने कहा कि गोवंशों के प्रति मानवीय संवेदना विकसित करना हम सभी का दायित्व है। गोमाता की सेवा हमारे संस्कारों एवं संस्कृति से जुड़ी हुई है और उनकी सेवा से हमारी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा होगी। बैठक के अंत में जिलाधिकारी आलोक कुमार ने उपाध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बैठक में दिए गए निदेर्शों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करते हुए आख्या प्रस्तुत करें।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी हरिकेश यादव, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी, परियोजना निदेशक विजयंत कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी हृदय राम तिवारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रियम राजशेखर पांडेय, जिला उद्यान अधिकारी समुद्र गुप्त मल्ल, जिला कृषि अधिकारी डॉ. सर्वेश कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी अरुण कुमार, खंड विकास अधिकारीगण, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज तथा पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। जनपद भ्रमण के दौरान निरीक्षण गृह, खलीलाबाद में उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिनिधियों से प्रेसवार्ता भी की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गो-सेवा को केवल सांस्कृतिक दायित्व नहीं, बल्कि एक पवित्र एवं सतत अभियान के रूप में आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि निराश्रित एवं असहाय गोवंशों के संरक्षण और देखभाल के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

पीबी में हैंडबॉल प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार के आदेशानुसार जनपद संत कबीर नगर की हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन पी0वी0 गर्ल्स इंटर कॉलेज में विद्यालय की प्रधानाचार्य सुमन त्रिपाठी की देखरेख में संपन्न हुआ। इस खेल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि एच आर आई सी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अरुण कुमार ओझा रहे हैं। इस हैंडबॉल प्रतियोगिता में कुल 6 टीमों ने प्रतिभा किया, सीनियर बालक वर्ग में प्रथम स्थान अर्थात गोल्ड मेडल मौलाना आजाद इंटर कॉलेज को प्राप्त हुआ, द्वितीय स्थान नेहरू कृषक इंटर कॉलेज को प्राप्त हुआ, जूनियर बालक वर्ग में प्रथम स्थान मौलाना आजाद इंटर कॉलेज को, द्वितीय स्थान हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज को मिला सीनियर बालिका वर्ग में प्रथम स्थान आयोजित विद्यालय पीवी गर्ल्स इंटर कॉलेज को प्राप्त हुआ तथा द्वितीय स्थान हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज को प्राप्त हुआ। जूनियर बालिका वर्ग में पीवी गर्ल्स इंटर कॉलेज को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संचालन जिला खेल सचिव जोखू प्रसाद ने किया। निर्णायक की भूमिका विवेकानंद यादव, दिवाकर उपाध्याय ने निभाया। इस अवसर पर बृजेश सिंह, खेल शिक्षिका सविता यादव, ऋचा श्रीवास्तव, सुमिता सिन्हा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खेल विजेता खिलाड़ियों को मेडल एवं खेल प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। विजेता खिलाड़ी मंडली हैंडबॉल प्रतियोगिता में बस्ती में 5 अगस्त 2026 को प्रतिभा करेंगे। समापन के अवसर पर विद्यालय पर प्रधानाचार्य श्रीमती सुमन त्रिपाठी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शहीद सरदार ऊधम सिंह के बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यनंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहीद सरदार ऊधम सिंह जी के बलिदान दिवस पर ऊधम सिंह नगर में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अखंड पाठ में भी सहभागिता की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि सरदार उधम सिंह जी का राष्ट्रप्रेम और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी अमर गाथा आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति एवं राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने ऊधम सिंह नगर में नवनिर्मित बस स्टेशन, गदरपुर खण्ड विकास कार्यालय भवन का लोकार्पण एवं डलबाबा मन्दिर से गूलरभोज कूल्हा तिलपुरी वन बैरियर तक सड़क एवं आन्तरिक मार्गों का शिलान्यास भी किया।

सावन मास, काँवड़ यात्रा व चेहल्लुम के दृष्टिगत शांति समिति एवं डीजे संचालकों के साथ थानों पर आयोजित की गई बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के कुशल निर्देशन व समस्त क्षेत्राधिकारीगण के पर्यवेक्षण में पवित्र सावन मास व काँवड़ यात्रा तथा आगामी त्यौहार चेहल्लुम को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने हेतु जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी (शांति समिति) की बैठक का आयोजन किया गया।

इस बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों, धर्मगुरुओं, शांति समिति के सदस्यों एवं डीजे संचालकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उपस्थित धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से त्यौहार के संबंध में वार्ता कर उनकी समस्याओं व सुझावों को सुना गया तथा शासन व उच्चाधिकारियों द्वारा निर्गत दिशा-निदेर्शों से अवगत कराया गया। समस्त डीजे संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे डीजे की ध्वनि शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप ही रखें तथा निर्धारित समय-सीमा के पश्चात डीजे का संचालन पूरी तरह बंद रखें। त्यौहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह या शांति-व्यवस्था भंग करने वाले अराजक तत्वों की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर किसी भी भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट को शेयर न करें। पुलिस प्रशासन द्वारा सभी धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से त्यौहार को आपसी भाईचारे, शांति व सौहार्द के साथ मनाने तथा पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई। बैठक के अंत में स्पष्ट किया गया कि नियमों एवं शासन के निदेर्शों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खूंखार बंदर ने छात्र पर किया हमला, एंटी रेबीज का लगवाया गया टीका

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे में खूंखार बंदरों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन बंदरों के हमले में महिला, पुरुष और बच्चे घायल हो रहे हैं। शुक्रवार को हिंदू इंटर कॉलेज पढ़ने जा रहे कक्षा 11 के छात्र पर बंदर ने हमला कर उसे घायल कर दिया। छात्र ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया और एंटी रेबीज का टीका लगवाया। थाना क्षेत्र के गांव डांगरोल निवासी दीपांशु हिंदू इंटर कॉलेज में कक्षा 11 का छात्र है। शुक्रवार सुबह वह कॉलेज जा रहा था। छात्र के अनुसार, जैसे ही वह कॉलेज के पास छोटी नहर के पुल पर पहुंचा, तभी एक खूंखार बंदर ने अचानक उस पर झपट्टा मार दिया और काटकर घायल कर दिया। छात्र के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह बंदर को वहां से भगाया। घायल छात्र सरकारी अस्पताल पहुंचा, जहां उसका उपचार

किया गया और चिकित्सकों ने छात्र को एंटी रेबीज का टीका लगाया।नगर एवं क्षेत्र के लोगों का कहना है कि बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। कई लोग पहले भी इनके हमले का शिकार हो चुके हैं। लोगों ने प्रशासन और नगर पालिका से जल्द अभियान चलाकर खूंखार बंदरों को पकड़वाने की मांग की है, ताकि खूंखार बंदरों के आतंक से निजात मिल सके।

खेत पर बने देव स्थान को अराजक तत्वों ने तोड़ा, किसान ने कार्रवाई की मांग की

कांधला। क्षेत्र के गांव ब्राह्मखेड़ा में एक किसान के खेत पर बने देव स्थान को अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। किसान और उसके परिवार में रोष है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव ब्राह्मखेड़ा निवासी नेत्रपाल ने बताया कि गांव के बाहरी छोर पर स्थित उसके खेत में पूर्वजों की आस्था से जुड़े देव स्थान बने हुए हैं। शुक्रवार सुबह जब वह खेत पर काम करने पहुंचा तो देव स्थान टूटे हुए मिले। यह देखकर उसके होश उड़ गए। उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी और डायल-112 पर पुलिस को बुलाया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू की, लेकिन फिलहाल कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग सका है। पीड़ित किसान का कहना है कि देव स्थान उनके पूर्वजों की आस्था का प्रतीक हैं और उन्हें क्षति पहुंचने से पूरे परिवार की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर मामले की निष्पक्ष जांच कर अज्ञात के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है पुलिस जांच में जुटी हुई है।

रेशम बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रेशम बोर्ड के अधिकारियों के साथ बैठक कर बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में रेशम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कुमाऊँ मंडल के हल्द्वानी में सिल्क पार्क स्थापित करने के उद्देश्य से फिजिबिलिटी स्टडी कराने के निर्देश दिए। इस सिल्क पार्क की स्थापना से प्रदेश में रेशम उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे प्रदेश के रेशम कीटपालकों और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही, अधिकारियों ने अवगत कराया कि शहतूत वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 2 लाख से अधिक शहतूत के पौधों का रोपण किया जा चुका है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार रेशम कीटपालकों को आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों से जोड़ते हुए वैज्ञानिक पद्धतियों एवं बेहतर प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदेश में रेशम उत्पादन की गुणवत्ता एवं उत्पादकता को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

वाहन चेकिंग के दौरान अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार, 16 पव्वे देसी शराब सहित तस्कर भी दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान के दौरान अलग-अलग कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध चाकू तथा एक शराब तस्कर को 16 पव्वे देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। इसी अभियान के दौरान पुलिस टीम ने बिजली घर मार्ग से शाहरुख पुत्र शाहिद को गिरफ्तार किया, जिसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस द्वारा आरोपी का आपराधिक इतिहास खंगालने पर उसके विरुद्ध पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज पाए गए।इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि गांव सल्फा में एक व्यक्ति अपने घर से अवैध रूप से देसी शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 16 पव्वे देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए चालान कर दिया।

बरसात का असर: सरकारी अस्पताल की ओपीडी में उमड़ी मरीजों की भारी भीड़

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। बरसात का दौर शुरू होते ही नगर और ग्रामीण क्षेत्र में मौसमी व संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ने लगा है। इसका सीधा असर सरकारी अस्पताल की ओपीडी पर देखने को मिल रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। शुक्रवार सुबह अस्पताल खुलते ही महिला, पुरुष और बच्चों की लंबी कतारें लग गईं। मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को भी लगातार व्यस्त रहना पड़ा। अस्पताल पहुंचे अधिकांश मरीज बुखार, वायरल संक्रमण, उल्टी-दस्त, सर्दी-जुकाम, त्वचा संबंधी संक्रमण तथा खुजली जैसी बीमारियों से पीड़ित मिले। चिकित्सकों ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं और उन्हें मौसम में विशेष सावधानी बरतने की

सलाह दी। सरकारी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव, दूषित पानी और गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियां तेजी से फैलने लगती हैं। ऐसे मौसम में लोगों को साफ और उबला हुआ पानी पीना चाहिए, ताजा भोजन करना चाहिए तथा घर और आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीमारियों की रोकथाम के लिए लगातार जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं।अस्पताल के दवा भंडार में सभी आवश्यक दवाइयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। किसी भी मरीज को दवा या उपचार के लिए परेशानी नहीं होने दी जा रही है। सभी मरीजों को समय पर चिकित्सकीय परामर्श और निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन काशी रुद्रास ने सीजन-4 की जर्सी का किया अनावरण

ऐतिहासिक तीसरे खिताब के लक्ष्य के साथ बाबा विश्वनाथ का लिया आशीर्वाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। दो बार की यूपी टी-20 लीग चैंपियन काशी रुद्रास ने शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आगामी सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का आधिकारिक अनावरण किया। इस अवसर के साथ टीम ने अपने नए अभियान की शुरूआत शहर की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और अपने प्रशंसकों के साथ गहरे जुड़ाव का उत्सव मनाते हुए की। काशी की कालजयी विरासत और भगवान शिव के दर्शन से प्रेरित यह नई जर्सी काशी रुद्रास की पहचान और मूल्यों को दशार्ती है। जर्सी का नीला रंग भगवान शिव की शांति का प्रतीक है, जो धैर्य, स्पष्टता और दबाव में भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की क्षमता को दशार्ता है। वहीं नारंगी रंग भगवान शिव की प्रचंड ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है, जो साहस, आक्रामकता और निडरता का प्रतीक है। जर्सी पर बनी

कॉस्मिक डिजाइन भगवान शिव को 'गुरु ऑफ द यूनिवर्स' के रूप में सम्मान देती है और असीम महत्वाकांक्षा की प्रेरणा देती है, जबकि मंडला पैटर्न संतुलन, एकता और सामूहिक शक्ति का प्रतीक है। इन सभी तत्वों के माध्यम से यह जर्सी काशी रुद्रास की भावना और पहचान को साकार करती है। जर्सी लॉन्च से पहले कप्तान करण शर्मा और मुख्य कोच ध्रुव सिंह के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) के निदेशक जावेद अख्तर तथा टीम प्रबंधन के अधिकारियों की मौजूदगी में काशी रुद्रास ने श्रद्धापूर्वक काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। इस दौरान टीम ने भारत के सबसे प्राचीन जीवंत शहरों में से एक काशी की भावना, दृढ़ता और गौरव का प्रतिनिधित्व करने के अपने संकल्प को दोहराया।

मंदिर दर्शन के बाद काशी रुद्रास के खिलाड़ियों ने सिगरा स्टेडियम में आयोजित विशेष 'मीट एंड ग्रीट' सत्र के दौरान युवा क्रिकेटरों से मुलाकात की। कप्तान करण शर्मा ने अपने क्रिकेट सफर के अनुभव साझा किए, युवाओं को अनुशासन और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया तथा उच्च स्तर पर सफलता

हासिल करने के लिए आवश्यक मानसिकता और कड़ी मेहनत के बारे में मार्गदर्शन दिया। इस पहल ने क्षेत्र में जमीनी स्तर पर क्रिकेट को बढ़ावा देने की फ्रेंचाइजी की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। टीम शाम को गंगा तट पर आयोजित होने वाली भव्य गंगा आरती में भी शामिल होगी, जो काशी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का प्रतीक मानी जाती है। जर्सी लॉन्च के अवसर पर काशी रुद्रास के कप्तान करण शर्मा ने कहा कि काशी रुद्रास की जर्सी पहनना हमेशा गर्व का विषय होता है, क्योंकि यह सिर्फ एक क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व नहीं करती, बल्कि एक ऐसे शहर का प्रतिनिधित्व करती है जिसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत अद्वितीय है। पिछले कुछ वर्षों में हमने टीम के भीतर एक मजबूत संस्कृति विकसित की है और हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है-अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का एक और मौका देते हुए एक और चैंपियनशिप जीतना। दो यूपी टी-20 लीग खिताब अपने नाम कर चुकी काशी रुद्रास इस सीजन में ट्रॉफी दोबारा जीतने और लीग की सबसे सफल फ्रेंचाइज़ियों में अपनी पहचान को और मजबूत करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

सेवा, शिक्षा और समाज कल्याण को मिलेगी नई गति, इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार्स की नई टीम का पदभार ग्रहण, कई जनसेवा परियोजनाओं का शुभारंभ

क्लब की नई अध्यक्ष सुरभि मोदी, सचिव मंदाकिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनुजा बागला को कॉलर एवं बैज पहनाकर किया गया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार्स का भव्य इंस्टॉलेशन समारोह कैंटोनमेंट स्थित सूर्या होटल में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ गणेश वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरार डॉ. अनुराधा भाटिया (2026-27) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह के दौरान वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। क्लब की नई अध्यक्ष सुरभि मोदी, सचिव मंदाकिनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनुजा बागला, आईएसओ शिवानी अग्रवाल तथा संपादक निहारिका देवांशी सहित समस्त पदाधिकारियों का परिचय कराया गया तथा उन्हें कॉलर एवं बैज पहनाकर सम्मानित किया गया।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में अध्यक्ष सुरभि मोदी ने कहा कि इनर व्हील का मूल उद्देश्य सेवा, मित्रता और अंतरराष्ट्रीय समझ को बढ़ावा देना है। हमारा प्रयास रहेगा कि सेवा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहायता पहुँचाई जाए तथा महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में प्रभावी कार्य किए जाएँ। इंस्टॉलेशन के अवसर पर क्लब द्वारा तीन महत्वपूर्ण सेवा परियोजनाओं का शुभारंभ किया गया। श्री हनुमान प्रसाद अंध विद्यालय, दुगाकुंड में अध्ययनरत बच्चों को उच्च गुणवत्ता की स्टील की पानी की बोतलें वितरित की गईं, जिससे वे प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर सुरक्षित एवं टिकाऊ बोतलों का उपयोग कर सकें। कुष्ठ आश्रम, संकटमोचन में ड्रेसिंग रूम के लिए एक सीलिंग फैन स्थापित कराया गया तथा वहाँ रहने वाले लोगों को उनकी दैनिक आवश्यकताओं की सामग्री, जैसे साबुन, तेल, डिटर्जेंट एवं अन्य उपयोगी वस्तुएँ प्रदान की गईं, जिससे उनके जीवन को अधिक स्वच्छ एवं सुविधाजनक बनाया जा सके। एक सरकारी विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली दो मेधावी छात्राओं को उनकी आगे की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की गई, ताकि वे उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित हों और #बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ# के उद्देश्य को सशक्त बनाया जा सके। क्लब द्वारा हाल ही में किए गए सेवा कार्यों की जानकारी भी साझा की गई। रथयात्रा मेले में श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं शीतल जल वितरण किया गया तथा बच्चों को आइसक्रीम वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाई गई। क्लब ने डॉक्टर्स डे एवं सीए डे का भी आयोजन कर समाज के इन महत्वपूर्ण वर्गों का सम्मान किया। इसके अतिरिक्त, हिंदू अस्पताल में तीन आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए डायलिसिस की व्यवस्था कराई गई।

आगामी सेवा परियोजनाओं की घोषणा करते हुए अध्यक्ष सुरभि मोदी ने बताया कि क्लब द्वारा सावन माह में प्रत्येक सोमवार चौक क्षेत्र में कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क चिकित्सा एवं दवा वितरण शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, रथयात्रा क्षेत्र में कांवड़ियों के लिए भोजन सेवा का आयोजन किया जाएगा, जिससे दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। क्लब शीघ्र ही एक ओल्ड एज होम में जाकर बुजुर्गों की सेवा करेगा, जहाँ उन्हें आवश्यक दवाइयाँ प्रदान की जाएँगी तथा उनके स्वास्थ्य परीक्षण हेतु एक निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर क्लब की आईपीपी ईशा अग्रवाल, वर्ष 2025-26 की कोषाध्यक्ष वर्तिका अग्रवाल, अनुजा अग्रवाल, गुंजा, शेफाली, नेहा, चार्टर प्रेसिडेंट मानसी सहित क्लब की अनेक सदस्याएँ उपस्थित रहीं। समारोह में विभिन्न क्लबों के अध्यक्ष, सचिव, पी.डी.सीज, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर्स एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ दीं और क्लब की सेवा भावना की सराहना की।

सिकंदराबाद में अज्ञात वाहन की टक्कर से तहसील कर्मचारी की दर्दनाक मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जनपद के सिकंदराबाद क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में तहसील के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की मौत हो गई। हादसा एनएच-34 पर सिरोधन कट के पास हुआ, जहां अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी।

मृतक की पहचान उमेश पुत्र ओमप्रकाश, निवासी गांव सिरोधन, के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उमेश सिकंदराबाद तहसील में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे और ड्यूटी समाप्त कर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद परिजनों और तहसील कर्मचारियों में शोक की लहर दौड़ गई है।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक: परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता की नई उम्मीद

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल जैसी कुप्रथाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संसद में पारित लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक का क्षेत्र के शिक्षाविदों, छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने जोरदार स्वागत किया है। सभी का मानना है कि इस सख्त कानून के लागू होने से परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता आएगी और वर्षों से निष्पक्षता की आस लगाए बैठे लाखों मेहनती विद्यार्थियों का भरोसा मजबूत होगा।

बता दें कि हाल के वर्षों में लगातार सामने आए पेपर लीक के मामलों ने ईमानदार अभ्यर्थियों के मनोबल को गहरा आघात पहुंचाया था। इस नए विधेयक में दोषियों के खिलाफ बेहद कड़े प्रावधान किए गए हैं, जिससे नकल माफियाओं में डर का माहौल बनेगा और परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

छात्रों और शिक्षाविदों की प्रमुख प्रतिक्रियाएं

प्रतियोगी छात्र अमनदीप मित्तल का कहना है कि पेपर लीक से सबसे बड़ा नुकसान उन युवाओं का होता है जो दिन - रात एक कर ईमानदारी से तैयारी करते हैं। इस कानून से ऐसे अपराधों पर लगाम लगेगी और योग्य युवाओं को उनका हक मिलेगा। छात्रा रिया गुप्ता के अनुसार, कानून जितना सख्त होगा, परीक्षा प्रणाली उतनी ही निष्पक्ष होगी। इससे विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। वहीं छात्र आकाश ने सुझाव दिया कि कड़े कानून के साथ-साथ परीक्षा केंद्रों पर डिजिटल निगरानी और मजबूत तकनीकी सुरक्षा चक्र भी जरूरी है, ताकि लीक की संभावना को जड़ से खत्म किया जा सके। तो वहीं छात्र सागर गुप्ता ने मांग की है कि सिर्फ कानून कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि दोषियों के खिलाफ त्वरित जांच और समयबद्ध कार्रवाई हो तभी इसका धरातल पर असर दिखेगा।

शिक्षा जगत का दृष्टिकोण

डॉ. अनूप लाल बंसल बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ. अर्चना गौतम ने जोर देकर कहा कि यदि इस कानून का क्रियान्वयन पूरी कड़ाई और गंभीरता के साथ किया गया, तो भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगेगी और देश के योग्य युवाओं को समान अवसर प्राप्त होंगे। तो वहीं उमा देव इंटरनेशनल इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या उमा गुप्ता ने इस विधेयक को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों की मेहनत सुरक्षित होगी और पूरी शिक्षा व्यवस्था के प्रति समाज का विश्वास फिर से कायम होगा।

ग्राम प्रधान की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अनूपशहर कोतवाली क्षेत्र के गांव बगसरा के ग्राम प्रधान सोरन सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोरन सिंह शनिवार सुबह घर से मंदिर जाने के लिए निकले थे। इसके बाद उनकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंच गया। एहतियात के तौर पर गांव में कई की पुलिस तैनात की गई है ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

शाहपुर में भाकियू महाशक्ति की बैठक, काली नदी की सफाई और ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि का मुद्दा प्रमुख

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अरनिया ब्लॉक के गांव शाहपुर में भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन सतपाल तोमर ने किया, जबकि अध्यक्षता प्रदेश महासचिव (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) सनी शर्मा ने की। बैठक में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रमुख रूप से बुलंदशहर से कुराला तक काली नदी की सफाई कराने की मांग उठाई गई। साथ ही बिजली विभाग द्वारा ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य अभियंता के घेराव के लिए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान संगठन विस्तार पर भी जोर दिया गया। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष ठाकुर संगीता सिंह के नेतृत्व में कुमारी नीलम चौधरी को नगर सचिव (महिला मोर्चा) तथा सोमवती देवी को ब्लॉक महामंत्री (महिला मोर्चा) के पद पर मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने मामचंद, बंटी सिंह, राजू, जयप्रकाश, सूरज सहित दर्जनों किसानों को भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की सदस्यता दिलाई। बैठक में पिंटू राघव, बंटी सिंह लोधी, आरिफ ज्वेलर्स, अशोक सोलंकी, डॉ. संदीप भाटी, कैप्टन चौधरी विक्रम सिंह, बबलू शर्मा, आदेश शर्मा, सरफराज, सीपी सिंह फौजी, शंभू सिंह तोमर, रिजवान अली, रविंद्र सोलंकी, दिनेश शर्मा, सतवीर सिंह, जसवंत शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

चौकाघाट विश्वकर्मा सभा के अध्यक्ष अमर नाथ विश्वकर्मा का निधन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। कोदई चौकी निवासी समाजसेवी, काशी इलेक्ट्रॉनिक के अधिष्ठाता एवं चौकाघाट स्थित विश्वकर्मा पंचायती बाग की विश्वकर्मा सभा के अध्यक्ष तथा प्रखर समाजसेवी अमर नाथ विश्वकर्मा का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। सपा नेता एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा' ने बताया कि अमर नाथ विश्वकर्मा पिछले एक सप्ताह से गंभीर बीमारी के कारण एक निजी चिकित्सालय में भर्ती थे। शुक्रवार प्रातः लगभग 10 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। उनकी शवयात्रा उनके निज निवास स्थान कोदई चौकी से निकाली गई, जिसके बाद हरिश्चंद्र घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उन्हें मुखाग्नि उनके पुत्र रोहित विश्वकर्मा ने दी। अंतिम संस्कार में सपा, भाजपा एवं अन्य राजनीतिक दलों के नेता एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे। हरिश्चंद्र घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से कैंट की प्रभारी रीबू श्रीवास्तव, सपा नेता एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा', महानगर महासचिव योगेंद्र यादव, प्रदेश सचिव लालू यादव, दक्षिणी के पूर्व प्रत्याशी किशन दीक्षित, अभिषेक विश्वकर्मा, अमित सोनकर, पूर्व पार्षद बलवंत सिंह सहित बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीएम ने नरौरा-रामघाट गंगा घाट का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट (बुलंदशहर)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के उद्देश्य से डिबाई के उपजिलाधिकारी मनीष कुमार ने नरौरा-रामघाट गंगा घाट का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने गंगा घाट पर साफ-सफाई, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, पुलिस सुरक्षा, गोताखोरों की तैनाती, खोया-पाया केंद्र, छुट्टा गौवंश की व्यवस्था तथा गंगा घाट से अलीगढ़-बुलंदशहर बॉर्डर तक सड़क के गड्ढों का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। एसडीएम मनीष कुमार ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाएं तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसडीएम मनीष कुमार ने बताया कि नरौरा-रामघाट गंगा घाट पर सीसीटीवी कैमरे, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पुलिस सुरक्षा, गोताखोर, नाव तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं लगभग पूरी कर ली गई हैं। जहां कहीं कमी शेष है, उसे तत्काल पूरा करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेले में ड्यूटी पर तैनात कोई भी अधिकारी या कर्मचारी लापरवाही करता पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिसकर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह हुआ आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को सेवानिवृत्त होने वाले पांच पुलिसकर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर पुलिस विभाग में उनके सेवाकाल के दौरान किए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। समारोह में प्रतिसार निरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक राजपाल सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी में उपनिरीक्षक कालीचरन, उपनिरीक्षक नरेन्द्र कुमार, मुख्य आरक्षी साहब सिंह, मुख्य आरक्षी शराफत अली एवं मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार है।

50 हजार का इनामी बदमाश अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार, ट्रिपल मर्डर केस में था फरार

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा/बुलंदशहर। खुर्जा नगर थाना पुलिस ने तीन युवकों की हत्या के चर्चित मामले में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्टल भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, 25/26 अप्रैल 2026 की रात खुर्जा नगर क्षेत्र के सुभाष रोड पर हुई फायरिंग की घटना में तीन युवकों की मौत हो गई थी। इस मामले में थाना खुर्जा नगर पर मुकदमा संख्या 371/26 के तहत विभिन्न धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया था।

शनिवार को मुखबिर की सूचना पर थाना खुर्जा नगर पुलिस ने अगवाल के पास से हत्या के मामले में वांछित सोनू सैनी पुत्र राकेश सैनी, निवासी मोहल्ला पंजाबीयान, थाना खुर्जा नगर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध पिस्टल बरामद हुई। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धारा 3/25 के तहत एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोनू सैनी लंबे समय से ट्रिपल मर्डर केस में फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ हत्या, शस्त्र अधिनियम तथा पोक्सो एक्ट सहित कई गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इस कार्रवाई को प्रभारी निरीक्षक रामफल सिंह के नेतृत्व में उपनिरीक्षक वरुण कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक अतुल कुमार तथा पुलिस टीम के अन्य सदस्यों ने अंजाम दिया।

16 वर्षीय किशोरी के लापता होने का मामला दर्ज, बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

अहमदगढ़/बुलंदशहर। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र से एक 16 वर्षीय किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, ग्राम अकराबास कनेनी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी करीब 16-17 वर्षीय पुत्री 28 जुलाई 2026 को दोपहर लगभग 2 बजे अहमदगढ़ दवा और घर का सामान लेने गई थी, लेकिन उसके बाद घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों और अन्य संभावित स्थानों पर काफी तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई पता नहीं चल सका। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आरोपी युवक ने मोबाइल फोन के माध्यम से किशोरी को अपने बहकावे में लेकर भगा लिया। पिता ने आशंका जताई है कि उनकी पुत्री के साथ कोई अनहोनी घटना हो सकती है और पुलिस से तत्काल बरामदगी तथा आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि किशोरी की तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है और जल्द ही मामले का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।

रामघाट गंगा घाट पर कांवड़ यात्रा को लेकर सीओ मधुप कुमार सिंह की अपील, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

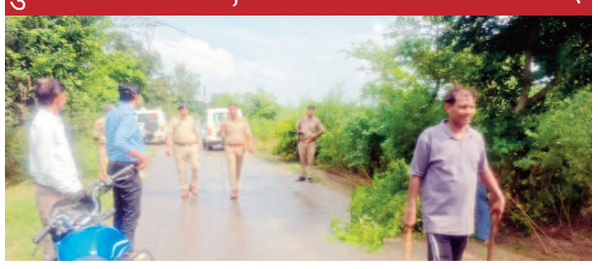

वेलकम इंडिया संवाददाता

रामघाट/बुलंदशहर। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मधुप कुमार सिंह ने बताया कि रामघाट थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। गंगा घाट रामघाट से लेकर अलीगढ़-बुलंदशहर सीमा तक उपनिरीक्षक, हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल एवं महिला कांस्टेबलों की ड्यूटी लगाई गई है। सीओ ने कहा कि ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाएगा। यदि कोई कर्मचारी ड्यूटी के दौरान लापरवाही करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने समाचार पत्र के माध्यम से रामघाट गंगा घाट पर आने वाले शिवभक्त कांवड़ियों और श्रद्धालुओं से भी अपील की कि अपनी मोटरसाइकिलों के साइलेंसर निकालकर न आएं और ऐसा कोई कार्य न करें जिससे ध्वनि प्रदूषण फैले। साथ ही डीजे की आवाज निर्धारित सीमा में रखें, तेज आवाज में डीजे न बजाएं तथा निर्धारित मानकों से अधिक ऊंचाई वाले डीजे लेकर गंगा घाट पर न आएं। सीओ मधुप कुमार सिंह ने कहा कि सभी श्रद्धालु प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

निवाड़ी की बेटी स्टाइलिश शिवानी ने रचा नया इतिहास

120 लड़कियों के साथ भव्य रैंप शो आयोजित, विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। छोटे कस्बों और गांवों की बेटियों को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ाने की दिशा में निवाड़ी की बेटी स्टाइलिश शिवानी ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए क्षेत्र में फैशन डिजाइनिंग और महिला सशक्तिकरण का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। शिवानी पंकज त्यागी और सुनीता त्यागी की पुत्री हैं। उनके पिता एक किसान हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने उनकी शिक्षा और प्रतिभा को पूरा सहयोग दिया। शिवानी ने भिवानी से फैशन डिजाइनिंग का कोर्स पूरा करने के बाद अपने गांव निवाड़ी लौटकर यहां की लड़कियों को फैशन डिजाइनिंग, व्यक्तित्व विकास और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना शुरू किया। इसी उद्देश्य से उन्होंने निवाड़ी में एक भव्य रैंप शो का आयोजन किया, जिसमें करीब 120 लड़कियों ने भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्र में इस स्तर का फैशन और रैंप शो आयोजित करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कार्यक्रम में भाग लेने वाली सभी प्रतिभागी लड़कियों की ड्रेस स्वयं स्टाइलिश शिवानी ने डिजाइन की, जिनमें आधुनिक फैशन और पारंपरिक भारतीय परिधानों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। कार्यक्रम की सफलता में गांव के दीपक त्यागी का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में स्टाइलिश शिवानी का उत्साहवर्धन किया और कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू सिवाच भी शामिल हुईं। उन्होंने रैंप शो में भाग लेने वाली प्रतिभागी लड़कियों को सर्टिफिकेट और मेडल देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। विधायक ने कहा कि निवाड़ी जैसे कस्बे में इस तरह का आयोजन करना अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने के लिए स्टाइलिश शिवानी की सराहना की।

स्टाइलिश शिवानी ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल फैशन डिजाइनिंग सिखाना नहीं, बल्कि गांव और कस्बों की लड़कियों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाना है। उन्होंने कहा कि आगे भी वह क्षेत्र में ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहेंगी और अधिक से अधिक बेटियों को अपनी प्रतिभा पहचानने और उसे मंच देने के लिए प्रेरित करेंगी।

रैंप शो में सालनी, सना, प्रिया, शगुन, इकरा, नीशा, शिप्रा, आंचल शर्मा, मानसी, शीतल, आरती, मोनिका राठी, रीना, गुड़िया त्यागी, पिंकी, सुरभि, सरिता, मुस्कान, बबीता राठी, ईशा, माही, नंदनी, पूजा, स्नेहा, डेजी, अविका, वंशिका, रूपल और नेहा सहित अनेक प्रतिभागियों ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम की सफलता के बाद पूरा निवाड़ी क्षेत्र इस आयोजन की चर्चा कर रहा है और स्थानीय लोगों ने इसे क्षेत्र की बेटियों के लिए एक नई और सकारात्मक शुरूआत बताया है।

रालोद पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने राहुल गुर्जर

वेलकम इंडिया संवाददाता

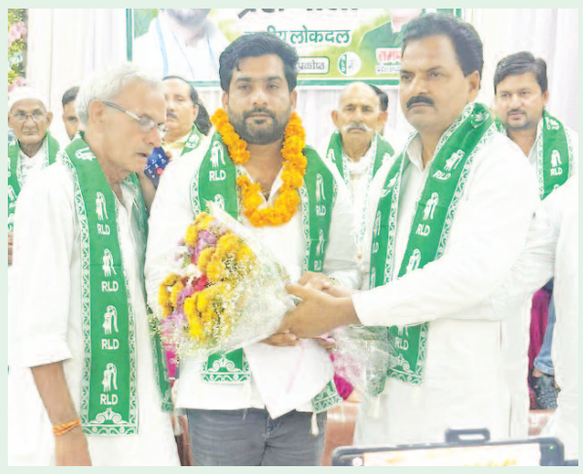

मोदीनगर। गांव सीकरी खुर्द निवासी राहुल प्रधान को रालोद पार्टी पंचायती राज प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के निर्देश पर पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल धामा ने राहुल गुर्जर सीकरी खुर्द को गाजियाबाद जनपद का जिलाध्यक्ष (पंचायती राज प्रकोष्ठ) नियुक्त किए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

प्रदेश अध्यक्ष रामपाल धामा ने कहा कि राहुल गुर्जर संगठन के प्रति लंबे समय से सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

उन्हें विश्वास है कि वह नई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मिलकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन के विस्तार के लिए कार्य करना होगा।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राहुल गुर्जर ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वह पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं के सम्मान और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

प्लॉट पर कब्जा लेने पहुंचे मालिक पर दबंगों का हमला, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

नंदग्राम में 200 गज के प्लॉट को लेकर बवाल, लेखपाल के सामने हुई मारपीट; घायल ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नंदग्राम थाना क्षेत्र में प्लॉट पर कब्जा लेने पहुंचे अनिल शर्मा पर कथित रूप से भूमाफिया ने हमला कर दिया। घटना उस समय हुई जब वह वर्ष 2014 में खरीदे गए अपने 200 वर्ग गज के प्लॉट की पैमाइश कराने के लिए लेखपाल के साथ मौके पर पहुंचे थे।

आरोप है कि मौके पर मौजूद दबंगों ने अनिल शर्मा के साथ मारपीट की, जिसमें वह घायल हो गए। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घायल अनिल शर्मा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आरकेजीआईटी में फिल्म 'आर्यभट्ट का जीरो' का प्रमोशन, सितारों संग झूमे छात्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आरकेजीआईटी), गाज़ियाबाद में शुक्रवार को आगामी फिल्म 'आर्यभट्ट का जीरो' के प्रमोशन के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अभिनेता हिमांश कोहली, अभिनेत्रियां सोनाली सहगल एवं दर्शना बनिक, निर्देशक कमल चंद्र, निमार्ता बीरेंद्र भगत तथा प्रसिद्ध गायक एवं संगीतकार मनन भारद्वाज ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। फिल्मी सितारों के आगमन पर विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ फिल्म की पूरी टीम के स्वागत के साथ हुआ। संस्थान की ओर से वाइस चेयरमैन श्री अक्षत गोयल, ग्रुप एडवाइजर डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. डी. के. चौहान, डायरेक्टर डॉ. बी. सी. शर्मा, डीन एकेडमिक्स डॉ. आर. के. यादव, डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर श्री एच. जी. गर्ग तथा चेयरमैन, स्टूडेंट्स एक्टिविटीज काउंसिल श्री आलोक त्यागी ने फिल्म की टीम के सदस्यों को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

संवाद सत्र के दौरान अभिनेता हिमांश कोहली मंच से उतरकर सीधे विद्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने छात्रों के साथ हंसी-मजाक किया, सेल्फी लीं तथा कुछ विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर उनके साथ रोचक गतिविधियों में भाग लिया। इससे कार्यक्रम स्थल तालियों, ठहाकों और उत्साह से गूंज उठा। अभिनेत्रियों सोनाली सहगल एवं दर्शना बनिक ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए और फिल्म से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। निर्देशक कमल चंद्र ने फिल्म की विषयवस्तु और निर्माण प्रक्रिया पर प्रकाश डाला, जबकि निमार्ता बीरेंद्र भगत ने फिल्म निर्माण की चुनौतियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। गायक एवं संगीतकार मनन भारद्वाज ने अपने संगीत सफर के अनुभव साझा करते हुए युवाओं को अपनी प्रतिभा पर विश्वास रखने और निरंतर मेहनत करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों एवं संस्थान के अधिकारियों ने भाग लिया। संस्थान के पदाधिकारियों ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ कला, सिनेमा और मनोरंजन जगत से जोड़ते हैं तथा उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का समापन आभार ज्ञापन, स्मृति-चिह्न वितरण एवं समूह छायाचित्र के साथ हुआ।

श्री शंकर भगवान जी का कांवड़ शिविर व भंडारे का आयोजन 6 अगस्त होगा प्रारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। समाजसेवी दीपक चौधरी बड़ायला ऋषभ विहार के द्वारा श्री शंकर भगवान जी का कांवड़ शिविर व भंडारे का आयोजन 6 अगस्त से प्रारंभ होगा। यह जानकारी देते हुए समाजसेवी दीपक चौधरी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कावड़ियों की सेवा के लिए 6 अगस्त को श्री शंकर भगवान जी का कांवड़ शिविर एवं भंडारे का आयोजन राधा रानी बैंकट हाल, पिलर ल्लङ्क. 1041 मोदीनगर पर किया जाएगा। कांवड़ शिविर एवं भंडारे का शुभारंभ 06 अगस्त 2026, को प्रातः 11 बजे से शुरू होगा। और 11 अगस्त 2026 को समापन होगा। दीपक चौधरी सभी से करबद्ध प्रार्थना है कि समय से पहुंचकर महादेव का आशीर्वाद ले और प्रसाद ग्रहण करे। कृपया इस सूचना को ही व्यक्तिगत बुलावे की मान्यता प्रदान करें।

किराना कारोबार के नाम पर करोड़ों की ठगी का खेल, शुरूआत में भुगतान कर जीता भरोसा

गाजियाबाद। किराना कारोबार में निवेश कर कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का सपना दिखाकर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि निवेशकों को पहले छोटी रकम लगाकर हर महीने आकर्षक रिटर्न देने का भरोसा दिलाया गया और जब लोगों का विश्वास जम गया तो उनसे किराना स्टोर खोलने तथा कारोबार में निवेश के नाम पर लाखों रुपये वसूल लिए गए। इसके बाद आरोपितों ने कार्यालय बंद कर दिए और ऑनलाइन व्यवस्था भी ठप कर दी। मामले में 24 पीड़ितों की शिकायत पर अदालत ने कविनगर पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए। पुलिस ने अदालत के आदेश पर 10 आरोपितों के खिलाफ करीब 3.70 करोड़ रुपये की ठगी का मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले में करीब पांच हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया है। मामले में अधिवक्ता और निवेशक महेश वर्मा की ओर से अदालत में शिकायत दाखिल की गई थी। शिकायत के मुताबिक, पंकज सोनी सेठ और उसके साथियों ने उनसे संपर्क कर वैदिक आयुरक्योर, आयुरक्योर डायरेक्ट प्राइवेट, एक्सिस ई-कारपोरेशन और ई-स्टोर इंडिया समेत विभिन्न निवेश योजनाओं की जानकारी दी। निवेशकों को बताया गया कि महज नौ हजार रुपये में एक आईडी लेने पर हर महीने 1100 रुपये तक की रकम दी जाएगी। इस तरह निवेशकों को करीब 12.22 प्रतिशत मासिक रिटर्न का लालच दिया गया। आरोप है कि योजना को आकर्षक दिखाने के लिए शुरूआत में कुछ निवेशकों के खातों में रकम भी भेजी गई। समय पर भुगतान मिलने से निवेशकों का विश्वास बढ़ता गया और उन्होंने अपने परिचितों तथा अन्य लोगों को भी इस योजना से जोडना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपितों ने बड़े निवेश का रास्ता तैयार किया। शिकायत में बताया गया है कि गाजियाबाद के मोहननगर, नेहरूनगर और राजनगर समेत कई स्थानों पर बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में निवेश योजना के फायदे और किराना कारोबार से होने वाले मुनाफे के बारे में बताया गया। लोगों को घरेलू सामान पर करीब 33 प्रतिशत तक की छूट देने का भी लालच दिया गया। इससे निवेशकों को यह विश्वास दिलाने का प्रयास किया गया कि योजना सिर्फ निवेश पर रिटर्न देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े लोगों को किराना कारोबार के माध्यम से भी लगातार आमदनी होगी। शुरूआती दौर में भुगतान कर भरोसा कायम करने के बाद आरोपितों ने निवेशकों से किराना स्टोर खुलवाने और कारोबार विस्तार के नाम पर 25 लाख से लेकर 50 लाख रुपये तक की रकम निवेश कराई। कई लोगों ने अपनी जमा पूंजी और परिचितों से रकम लेकर इस योजना में पैसा लगाया। आरोप है कि बड़ी रकम जुटाने के बाद धीरे-धीरे कंपनी की गतिविधियां बंद होने लगीं। कार्यालयों पर ताले लग गए और ऑनलाइन व्यवस्था भी काम करना बंद कर गई। निवेशकों को न तो उनका मूलधन वापस मिला और न ही वादे के मुताबिक रिटर्न दिया गया। मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इस पूरी निवेश योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ा गया और भारी रकम एकत्र की गई।

सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने रेल मंत्री से उठाया अधूरे रेलवे ओवरब्रिजों का मुद्दा, जल्द निर्माण पूरा कराने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर दिल्ली-मेरठ और दिल्ली-बड़ौत रेलखंड पर निमार्णाधीन तीन रेल उपरिगामी पुलों (ROB) का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पिछले लगभग चार वर्षों से इन परियोजनाओं की धीमी प्रगति के कारण लाखों लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सांसद ने बताया कि दिल्ली-मेरठ रेलखंड पर एल.सी. संख्या 19-सी (मोहिउद्दीनपुर-खरखौदा मार्ग), एल.सी. संख्या 20-सी (भूडबराल) तथा दिल्ली-बड़ौत रेलखंड पर निमार्णाधीन आरओबी संख्या 28-सी (टटीरी) का निर्माण लंबे समय से अधूरा पड़ा है। इससे क्षेत्र में लगातार जाम की समस्या बनी हुई है। डॉ. सांगवान ने कहा कि मोहिउद्दीनपुर-खरखौदा मार्ग बागपत, मेरठ और आसपास के क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है। इसी रास्ते से करीब 80 गांवों के किसान गन्ना और अन्य कृषि उपज चीनी मिलों व कृषि मंडियों तक पहुंचाते हैं। निर्माण कार्य में देरी के कारण प्रतिदिन लंबा जाम लग रहा है, जिससे किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि जाम की वजह से एंबुलेंस, स्कूली वाहन और अन्य आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। इससे लोगों का समय और धन दोनों बर्बाद हो रहे हैं तथा क्षेत्र में जनता के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है।

सांसद ने रेल मंत्री से तीनों निमार्णाधीन आरओबी की उच्चस्तरीय समीक्षा कराकर संबंधित एजेंसियों को समयबद्ध तरीके से निर्माण कार्य पूरा कराने के निर्देश देने का आग्रह किया, ताकि क्षेत्र की वर्षों पुरानी यातायात समस्या समाप्त हो सके और किसानों व आम नागरिकों को राहत मिल सके।

ए न्यू होप फाउंडेशन ने उप जिलाधिकारी को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर की सामाजिक संस्था ए न्यू होप फाउंडेशन के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र कुमार के नेतृत्व में नव नियुक्त उप जिलाधिकारी कोमल पंवार को सम्मानित किया और प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल में धर्मेंद्र चौधरी, ललित कुमार, अनिल शर्मा, राजकुमार चौधरी, पूनम राजपूत, सुमन और आशीष शामिल रहे।

घर में काम करने आई मेड निकली मोबाइल चोर, पुलिस ने 5 दिन में किया खुलासा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने घर से मोबाइल चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए आरोपी महिला घरेलू सहायिका (मेड) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया। पुलिस ने मामले में आवश्यक धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को पैरामाउंट सिम्फनी सोसायटी निवासी शिल्पा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 26 जुलाई को उनके घर काम करने आई मेड पूजा के जाने के बाद उनका मोबाइल फोन गायब हो गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 31 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर शांति नगर से चित्रावन सोसायटी जाने वाले मार्ग से आरोपी पूजा को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन बरामद हुआ।

पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धारा बढ़ाते हुए आरोपी महिला के विरुद्ध आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनसंवाद संकल्प यात्रा से कांग्रेस का चुनावी शंखनाद, 6 अगस्त से घर-घर पहुंचेगा संगठन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गौतमबुद्धनगर। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत कांग्रेस ने गौतमबुद्ध नगर में 'जनसंवाद संकल्प यात्रा' निकालने का ऐलान किया है। जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने बताया कि 6 अगस्त से शुरू होने वाले इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर आम जनता से सीधा संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे।

उन्होंने बताया कि यात्रा का पहला चरण दादरी विधानसभा क्षेत्र से शुरू होगा, जिसके बाद इसे जेवर सहित पूरे जिले में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। अभियान के दौरान रोजगार, किसानों की समस्याएं, महंगाई, शिक्षा और स्थानीय जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि जनसंवाद संकल्प यात्रा का उद्देश्य जनता के बीच पहुंचकर उनकी आवाज को मजबूती देना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना है। कांग्रेस का दावा है कि यह अभियान संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के साथ-साथ जनता से सीधा जुड़ाव स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हत्या के दोषी को उम्रकैद की सजा, ऑपरेशन कन्विक्शन से गाजियाबाद पुलिस को बड़ी सफलता

सात साल पुराने गोलीकांड का हुआ फैसला, हत्यारे पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी

श्री रवि शर्मा, सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता | मु0आ0 सतकुमार, पैरोकार कन्विक्शन सेल | मु0आ0 अजय कुमार, पैरोकार थाना सिहानीगेट

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस की प्रभावी पैरवी के चलते हत्या के मामले में आरोपी को न्यायालय ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत पुलिस की लगातार मेहनत और मजबूत पैरवी से सात साल पुराने हत्याकांड में दोषी को सजा दिलाई गई।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-7, गाजियाबाद ने थाना सिहानी गेट में दर्ज मुकदमे में आरोपी दिनेश दिवाकर पुत्र राजेंद्र दिवाकर निवासी राकेश मार्ग, थाना सिहानी गेट, गाजियाबाद को धारा-302 भादवि के तहत आजीवन कारावास और 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

वहीं आयुध अधिनियम की धारा-25 में दो वर्ष का कारावास व 2 हजार रुपये जुमार्ना तथा धारा-27 में तीन वर्ष का कारावास व 3 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया।

पुलिस के अनुसार, 24 अगस्त 2019 को आरोपी ने वादी के पिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस संबंध में थाना सिहानी गेट पर मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस आयुक्त गाजियाबाद के निर्देशन में गठित कन्विक्शन सेल के प्रयासों, विवेचक उपनिरीक्षक अशोक कुमार की प्रभावी जांच और सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रवि शर्मा की न्यायालय में मजबूत पैरवी के परिणामस्वरूप आरोपी को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई।

शिक्षा को डिजिटल ताकत, बचपन को पोषण का सहारा; डीएम ने बांटे 11 लैपटॉप और 111 बच्चों को पोषण पोटली

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड) के तहत 11 बच्चों को लैपटॉप तथा कुपोषण उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 111 कमजोर एवं कुपोषित बच्चों को पोषण पोटली वितरित कर जिले में शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की पहल की गई। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बच्चों को यह सौगात दी।

जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल शिक्षा और बेहतर पोषण से ही बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनेगा। आज के दौर में तकनीकी ज्ञान आवश्यक है, ऐसे में लैपटॉप बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा, अध्ययन सामग्री और नई जानकारियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के माध्यम से कोविड महामारी से प्रभावित बच्चों को शिक्षा, संरक्षण और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। वहीं, कुपोषित बच्चों के लिए आयोजित कार्यक्रम में 111 बच्चों को पोषण पोटली वितरित की गई। इसमें दलिया, जैविक शहद, आंवला-गुड़ के लड्डू, मशरूम कॉर्न सूप, बिस्कुट सहित पौष्टिक खाद्य सामग्री शामिल रही। डीएम ने कहा कि 'सुपोषित बचपन ही मजबूत भविष्य की आधारशिला है।' उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के खान-पान और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक लाभार्थी बच्चे को छह माह तक नियमित रूप से पोषण पोटली उपलब्ध कराई जाएगी और उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता चन्द्रा, आहार से उपचार फाउण्डेशन के प्रबंध निदेशक अमित कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कांवड़ यात्रा के मद्देनजर मिलावटखोरों पर प्रशासन का शिकंजा, 200 किलो सोया चाप नष्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने मिलावटखोरों और नकली खाद्य एवं औषधि कारोबारियों के विरुद्ध विशेष अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग जनपदभर में खाद्य प्रतिष्ठानों, ढाबों, होटल एवं निर्माण इकाइयों का लगातार निरीक्षण कर रहा है।

विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शालीमार गार्डन के गणेशपुरी भाटी चौक स्थित घनश्याम चाप निर्माण इकाई पर छापेमारी की। निरीक्षण में अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में सोया चाप का निर्माण होता मिला। टीम ने सोया चाप एवं मैदा के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए तथा करीब 200 किलोग्राम सोया चाप नष्ट कराया। साथ ही प्रतिष्ठान के पंजीकरण को निलंबित करने की संस्तुति की गई।

इसी क्रम में लोनी के आर्यनगर स्थित एक अन्य चाप निर्माण इकाई पर भी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान संचालक वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका तथा स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाया गया। विभाग ने खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेज दिए और इकाई का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए।

उधर, नकली दवाओं के कारोबार पर भी विभाग की कार्रवाई जारी है। उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड की संयुक्त टीम ने देहरादून में संचालित एक अवैध नकली दवा निर्माण इकाई का भंडाफोड़ करते हुए बड़ी मात्रा में नकली दवाएं, पैकिंग सामग्री और मशीनरी बरामद की। मामले में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई है।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कहा कि लोगों की सेहत के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कांवड़ मार्गों, शिविरों, भोजनालयों और अस्थायी खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण करने तथा मिलावटखोरों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने आमजन और मीडिया प्रतिनिधियों से भी अपील की कि यदि कहीं मिलावटखोरी, नकली खाद्य पदार्थों या नकली दवाओं के निर्माण एवं बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल जिला प्रशासन को सूचित करें। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रशासन का यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

दिव्यांगों को मिलेगा रोजगार का 'सशक्त सहारा', 3 अगस्त से शुरू होगा विशेष अभियान

विकास भवन में एक ही मंच पर मिलेंगी नौकरी, स्वरोजगार और सरकारी योजनाओं की सुविधाएं : सीडीओ कुमार सौरभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष पहल शुरू की है। जनपद में 3 अगस्त से 10 अगस्त 2026 तक विकास भवन में विशेष दिव्यांग रोजगार एवं स्वरोजगार अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत दिव्यांगजनों को रोजगार के अवसरों के साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं और बैंक ऋण की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने बताया कि अभियान में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी एक ही स्थान पर मौजूद रहेंगे, जिससे दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पात्र दिव्यांगजनों को उनकी योग्यता, रुचि और आवश्यकता के अनुसार योजनाओं से जोड़कर आवेदन कराया जाएगा।

अभियान के दौरान मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा सम्मान योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, ओडीओपी, खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापना ऋण योजना, पशुपालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन सहित अन्य रोजगार एवं स्वरोजगार योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

निजी कंपनियां देंगी रोजगार के अवसर

विशेष अभियान के अंतर्गत रोजगार मेले का भी आयोजन होगा, जिसमें निजी कंपनियां शामिल होंगी। जोमैटो, ब्लिंकिट सहित फूड डिलीवरी एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधि दिव्यांग अभ्यर्थियों का पंजीकरण कर उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास करेंगे।

सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान में आने वाले प्रत्येक पात्र दिव्यांगजन को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराकर प्राथमिकता के आधार पर आवेदन कराए जाएं, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

उन्होंने दिव्यांगजनों से अपील की कि वे अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचकर पंजीकरण कराएं। लाभार्थी अपने साथ आधार कार्ड, यूडीआईडी कार्ड अथवा दिव्यांग प्रमाणपत्र, बैंक पासबुक, शैक्षिक प्रमाणपत्र और पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लेकर आएं।

समरसता का संदेश लेकर निकली भाजपा की कलश यात्रा, पुष्पवर्षा से हुआ भव्य स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा निकाली गई समरसता संकल्प कलश यात्रा का गाजियाबाद में विभिन्न स्थानों पर भव्य स्वागत किया गया।

काशी से लाई गई पवित्र रज से सुशोभित कलश यात्रा नेहरू नगर से प्रारंभ होकर पटेल नगर स्थित संत रविदास मंदिर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया।

यात्रा से पूर्व आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने संत रविदास के समरसता, समानता, श्रम की गरिमा और कर्मप्रधान जीवन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास के विचार आज भी सामाजिक सद्भाव और भेदभाव मुक्त समाज की स्थापना के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में भाजपा पश्चिम क्षेत्र अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, सांसद अतुल गर्ग, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, विधायक अजीत पाल त्यागी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नेताओं ने संत रविदास के आदर्शों को अपनाकर सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का संकल्प दोहराया।

खून के रिश्ते हुए शर्मसार: सगे भाई ने उतारा मौत के घाट, मसूरी पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का किया सनसनीखेज खुलासा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मसूरी थाना पुलिस और ग्रामीण जोन की सर्विलांस टीम ने 26 जुलाई को आध्यात्मिक नगर स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास झाड़ियों में मिले अज्ञात शव के ब्लाइंड मर्डर केस का सफल खुलासा कर दिया है। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और मैनुअल इनपुट के आधार पर मृतक के सगे भाई को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 26 जुलाई की सुबह सड़क किनारे झाड़ियों में करीब 42 वर्षीय व्यक्ति का खून से लथपथ शव मिला था। मृतक के चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे तथा उसके सीने पर खून से सना भारी सीमेंट का पत्थर रखा हुआ था। प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस, फोटो पम्पलेट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर 30 जुलाई को मृतक की पहचान मोनू सिंह पुत्र रामपाल, निवासी ग्राम जन्डेल, थाना मूढ़ा पांडे, जनपद मुरादाबाद के रूप में हुई। इसके बाद जांच की कड़ियां जोड़ते हुए पुलिस ने मृतक के सगे भाई सुखवीर को हत्या का आरोपी पाया। मुखबिर की सूचना पर मसूरी क्षेत्र से आरोपी सुखवीर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त खून से सने दो सीमेंट के पत्थर पहले ही घटनास्थल से बरामद किए जा चुके हैं। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मसूरी पुलिस की इस कार्रवाई से चार दिन पुराने ब्लाइंड मर्डर केस का सफल खुलासा हो गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से सजे 27 घर, नवदंपतियों को मिला सम्मान और सरकारी सहयोग

कपिल चौहान
गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)।

गाजियाबाद के मुरादनगर विकास खंड परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 27 जोड़ों का विवाह गरिमामय वातावरण में संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में शासन की ओर से प्रत्येक नवदंपति को 21 हजार की उपहार सामग्री तथा 64 हजार की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई। सामूहिक विवाह समारोह में अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के जोड़ों ने भाग लिया। हिंदू जोड़ों का विवाह वैदिक रीति-रिवाज से तथा मुस्लिम जोड़ों का निकाह इस्लामी परंपरा के अनुसार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह का अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।